सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार
" अच्छे संस्कार और अच्छा व्यवहार आपकी वह कमाई है, जो जिंदगी भर आपके काम आती है...!!
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–234 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शनिवार 12 सितंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

IG अजय यादव ने किया सुदूर थाना बकरकट्टा का औचक निरीक्षण

ITBP कैंप का भी लिया जायजा, जवानों से उनकी ड्यूटी और कार्य परिस्थितियों पर संवाद कर उत्साहवर्धन भी किया

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़-छुईखदान-गंडई

पुलिस महानिरीक्षक राजनांदगांव रेंज अजय यादव ने आज जिले के सुदूर एवं सीमावर्ती क्षेत्र स्थित थाना बकरकट्टा का औचक निरीक्षण किया। साथ ही आईटीबीपी कैंप बकरकट्टा का भी भ्रमण किया। इस दौरान जिला पुलिस अधीक्षक भी उनके साथ मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान आईजी ने थाने की कार्यप्रणाली, कानून–व्यवस्था की स्थिति, अपराधों एवं लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और अभिलेखों का अवलोकन किया। थाना प्रभारी और स्टाफ से क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था तथा स्थानीय परिस्थितियों की जानकारी ली। उन्होंने साइबर जागृति अभियान में की गई कार्रवाई का विवरण भी लिया।

आईटीबीपी कैंप में आईजी ने जिला पुलिस और आईटीबीपी के अधिकारियों–जवानों से चर्चा कर संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी, आपसी समन्वय और सुरक्षा व्यवस्था पर जानकारी ली। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्र में बेहतर समन्वय, नियमित पेट्रोलिंग, प्रभावी सूचना तंत्र और सतत सतकर्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। जवानों से उनकी ड्यूटी और कार्य परिस्थितियों पर संवाद कर उत्साहवर्धन भी किया।

निरीक्षण के दौरान थाना प्रभारी बकरकट्टा, आईटीबीपी के अधिकारी–जवान और जिला पुलिस के अधिकारी मौजूद रहे।

नए कक्षों के निर्माण हेतु 7.9 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति

दुर्ग। ग्राम पंचायत अकतई स्थित शासकीय प्राथमिक शाला भवन की स्थिति को संज्ञान में लेते हुए जिला प्रशासन द्वारा त्वरित एवं सकारात्मक कदम उठाया गया है। कलेक्टर श्री अभिजित सिंह ने विद्यालय भवन के जीर्णोद्धार एवं नए कक्षों के निर्माण हेतु 7.90 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। उल्लेखनीय है कि समाचार पत्र में प्रकाशित खबर के माध्यम से मामला ध्यान में आते ही, कलेक्टर श्री सिंह ने विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं हित को सर्वोपरि रखते हुए यह त्वरित निर्णय लिया है। भवन की आवश्यक मरम्मत एवं अतिरिक्त कक्षों के निर्माण हेतु 'वीबी जीरामजी' योजना के अंतर्गत प्रस्ताव तैयार कर उच्च स्तर को प्रेषित कर दिया गया है।

बारिश में जलमग्न होती केन्द्रीय विद्यालय की स्टाफ कॉलोनी

घुटनों से ऊपर पानी, आवागमन ठप नाली निर्माण का इंतजार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

भारी बारिश के बाद केन्द्रीय विद्यालय दुर्ग की स्टाफ कॉलोनी जलमग्न हो गई है। पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से कॉलोनी में घुटनों से ऊपर तक पानी भर गया है, जिससे पैदल आवागमन भी मुश्किल हो गया है। कॉलोनी में रहने वाले शिक्षकों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि भारी बारिश के दौरान घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। आवश्यक कार्यों के लिए भी पानी के बीच से गुजरना पड़ रहा है। लंबे समय तक पानी भरे रहने से दोपहिया वाहनों के खराब होने की आशंका भी बनी हुई है। जलभराव के दौरान सेप्टिक टैंकों का पानी ऊपर आने लगा है, जिससे गंदा पानी कॉलोनी में फैल रहा है। दुर्गंध के साथ संक्रमण और जलजनित बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ गया है। बारिश के दिनों में यह स्थिति स्वास्थ्य की दृष्टि से चिंताजनक बनी हुई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या हर साल बारिश में सामने आती है। बारिश थमने के बाद भी पानी जमा रहने से परेशानी बनी रहती है। अस्थायी राहत के बजाय स्थायी जल निकासी व्यवस्था जरूरी है।

इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए नगर निगम स्तर पर नाली निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है। इसके लिए एस्टीमेट और फाइल तैयार हो चुकी है। अब केवल निर्माण कार्य शुरू होना बाकी है। कॉलोनीवासियों ने नगर निगम से मांग की है कि जलभराव की गंभीरता को देखते हुए नाली निर्माण का कार्य प्राथमिकता पर शीघ्र शुरू कराया जाए, ताकि हर साल होने वाली इस परेशानी से स्थायी राहत मिल सके।

दुनिया अनिश्चितता का सामना कर रही है तब भी भारत विकास कर रहा है–मोदी

ब्रिक्स समूह दुनिया की 50% आबादी, 40% ग्लोबल GDP और 20% ग्लोबल ट्रेड का प्रतिनिधित्व करता है

नई दृष्टिबिंदु / नई दिल्ली

ब्रिक्स बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत स्थिरता और विकास का स्रोत बना हुआ है। उन्होंने सुरक्षित समुद्री रास्तों, खुले सप्लाई रूट्स और नेविगेशन की आजादी पर जोर दिया। पीएम ने मेक इन इंडिया के जरिए वैश्विक विनिर्माण और नवाचार को आगे बढ़ाने का विजन रखा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ग्लोबल इकॉनमी में भारत की बढ़ती भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि जब दुनिया अस्थिरता और अनिश्चितता का सामना कर रही है, तब भी भारत विकास कर रहा है। ब्रिक्स (इफ्क्क्ठर) बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जब दुनिया अस्थिरता के दौर से गुजर रही है, तब भारत विकास कर रहा है।₹ उन्होंने आगे कहा, ₹ग्लोबल अनिश्चितताओं के बीच, आज भारत विकास और स्थिरता के लिए भरोसे का स्रोत बना हुआ है।

बदलती ग्लोबल इकॉनमी में ब्रिक्स (इफ्क्क्ठर) की भूमिका पर पीएम मोदी ने कहा कि ब्रिक्स ग्लोबल इनोवेशन और समाधानों के लिए महत्वपूर्ण केंद्र बन रहा है। उन्होंने इस समूह से और ज़्यादा सामूहिक कार्रवाई का आह्वान करते हुए कहा, ₹आइए ब्रिक्स की महत्वाकांक्षा को कार्रवाई में और सामूहिक ताकत को ग्लोबल समाधानों में बदलें। ब्रिक्स आगे बढ़े और दुनिया को भी आगे ले जाए। ग्लोबल ट्रेड के प्रति भारत के नजरिए पर जोर देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज, जब दुनिया भर में व्यापार की बाधाएं बढ़ रही हैं, भारत आर्थिक पुल बना रहा है।

उन्होंने मेक इन इंडिया, इनोवेट विद इंडिया, स्केल फॉर द वर्ल्ड के संदेश के साथ ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेशन के लिए भारत के विजन को भी सामने रखा। प्रधानमंत्री मोदी ने ग्लोबल इकॉनमी के लिए सुरक्षित समुद्री रास्तों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि ग्लोबल ट्रेड तभी आगे बढ़ सकता है जब समुद्री रास्ते सुरक्षित हों, सप्लाई रूट खुले हों और नाविक सुरक्षित हों। इसीलिए भारत नेविगेशन की आजादी और नाविकों की सुरक्षा का मजबूती से समर्थन करता है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि इस साल ब्रिक्स (इफ्क्क्ठर) के 20 साल पूरे हो रहे हैं और ब्रिक्स परिवार में 21 देश शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह समूह दुनिया की 50% आबादी, 40% ग्लोबल GDP और 20% ग्लोबल ट्रेड का प्रतिनिधित्व करता है।

छत्तीसगढ़ में बड़ा सियासी घटनाक्रम मंत्री खुशवंत साहेब के बड़े भाई ढाल दास ने कांग्रेस जॉइन की

रायपुर में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कांग्रेस में प्रवेश कराया

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजनीति में शुक्रवार को बड़ा सियासी घटनाक्रम सामने आया। भाजपा सरकार में मंत्री खुशवंत साहेब के बड़े भाई और सतनामी समाज के धमर्गुरु गुरु बालदास के बड़े बेटे ढाल दास ने कांग्रेस ज्वॉइन कर ली है। रायपुर में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने तीजा–पोरा कार्यक्रम के दौरान उन्हें कांग्रेस में प्रवेश कराया। कांग्रेस में शामिल होने के बाद ढाल दास ने कहा कि जनता भी जानती है कि भाजपा क्या कर रही है। अगर कांग्रेस मुझे मौका देती है तो मैं मुंगेली विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ना चाहूंगा। पार्टी जहां से चयनित करेगी, मैं वहां से लड़ने के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा कि पार्टी में शामिल होने से पहले मैंने अपने भाई और पिताजी से बात की थी और उन्हें बताया था। दोनों ने सहमति दे दी है। वहीं इस पर मंत्री खुशवंत साहेब ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा तोड़ने की राजनीति करती है।

उमा बाई को मिला एक लाख रुपये का आर्थिक संबल

दुर्ग। ग्राम जंजगिरी निवासी 52 वर्षीय श्रीमती उमा बाई साहू के पति स्वर्गीय श्री जितेन्द्र कुमार साहू के आकस्मिक निधन के बाद परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया था। पति के निधन से परिवार की जिम्मेदारियां अचानक उमा बाई के कंधों पर आ गईं। घर की कमजोर आर्थिक स्थिति के बीच तीन बेटियों की पढ़ाई और भविष्य की चिंता भी उनके सामने थी।

ऐसे कठिन समय में छत्तीसगढ़ शासन की मुंख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु सहायता योजना उनके परिवार के लिए आर्थिक संबल बनकर सामने आई। स्वर्गीय श्री जितेन्द्र कुमार साहू के नाम से असंगठित श्रमकार्ड खेतिहर मजदूर के रूप में पंजीयन दर्ज था। उमा बाई ने इस श्रमकार्ड के माध्यम से मुख्यमंत्री मृत्यु सहायता योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन किया।

तीन साल पुरानी रिपोर्ट से उट हेल्पलाइन शिकायत का निराकरण, राखी थाना जांच पर फिर उठे सवाल

2023 में दस्तावेजों के साथ पुन : जांच की मांग, 2026 में मामला पहुंचा उट हेल्पलाइन पर

नरेंद्र डाकलिया / रायपुर

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन को त्वरित और निष्पक्ष शिकायत निराकरण का माध्यम माना जाता है, लेकिन रायपुर जिले के राखी थाना क्षेत्र से जुड़े एक मामले ने इस पूरी व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। शिकायतकर्ता का आरोप है कि नए दस्तावेजों और नए सवालों के बावजूद CM हेल्पलाइन पर तीन साल पुरानी पुलिस रिपोर्ट को ही आधार बनाकर शिकायत का निराकरण कर दिया गया। मामला दुर्ग निवासी प्रवीण जी श्री श्रीमाल की शिकायत से जुड़ा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता ने वर्ष 2023 में राखी थाने में कथित दस्तावेजी कूटरचना की शिकायत दी थी। आवेदन के साथ उन्होंने चार अहम दस्तावेज संलग्न किए थे -

** हस्ताक्षर विशेषज्ञ / हैंडराइटिंग एक्सपर्ट की रिपोर्ट*
** तीन अलग-अलग तारीखों की सदस्यता शुल्क रसीद बुक*
** भावना मिश्रा का 21 अगस्त 2023 का पत्र*
**4. * संस्था की 29 जून 2022 की 713 सदस्यों वाली सूची*

शिकायतकर्ता का दावा है कि 713 सदस्यों की सूची में किए गए हस्ताक्षरों को लेकर ही उन्होंने विशेषज्ञ रिपोर्ट कराई थी। इस पर राखी थाना ने 22 दिसंबर 2023 को फैना क्रमांक 224/2023 दर्ज किया। इसमें धारा 155 के तहत असंज्ञेय अपराध की सूचना रिपोर्ट का उल्लेख है।

जांच पर आरोप

शिकायतकर्ता का आरोप है कि तत्कालीन जांच अधिकारी ने संलग्न हस्ताक्षर विशेषज्ञ की रिपोर्ट और रसीद बुकों को अपेक्षित महत्व नहीं दिया। अंतिम रिपोर्ट में इनका स्पष्ट उल्लेख और निष्कर्ष ही नहीं आया। इसी को लेकर शिकायतकर्ता ने तत्कालीन DGP अरुणदेव गौतम को विशेष जांच के लिए आवेदन दिया और मांग की थी कि -

- फैना रिपोर्ट में हस्ताक्षर विशेषज्ञ रिपोर्ट का उल्लेख क्यों नहीं ?
- तीनों रसीदों की तारीखों और 713 सदस्यीय सूची की तारीखों का मिलान क्यों नहीं किया गया ?
मूल और डुप्लीकेट रसीद का सत्यापन क्यों नहीं हुआ ?

तीन साल बाद उट हेल्पलाइन में शिकायत –

इस आवेदन पर कार्रवाई न होने पर 4 मई 2026 को शिकायतकर्ता ने उट हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कर DGP को दिए आवेदन की स्थिति पूछी। यहीं से प्रक्रिया पर सवाल उठे।

पहला सवाल – जिस राखी थाना की जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठाकर DGP से विशेष जांच मांगी गई थी, उट हेल्पलाइन की शिकायत निराकरण के लिए उसी व्यवस्था को भेज दी गई।

दूसरा सवाल – CM हेल्पलाइन पोर्टल पर जो जवाब दिया गया, वह लगभग तीन वर्ष पुरानी 2023 की फैना / फाइनल रिपोर्ट के आधार पर ही था। यानी DGP को दिए नए आवेदन और नए दस्तावेजों की स्वतंत्र जांच हुए बिना ही पुरानी रिपोर्ट को ही निराकरण मान लिया गया। इससे सवाल उठता है कि क्या उट हेल्पलाइन पर शिकायतों का स्वतंत्र परीक्षण होता है, या संबंधित विभाग की पुरानी रिपोर्ट को ही अंतिम जवाब मान लिया जाता है।

इन सवालों के जवाब अपेक्षित

1. 2023 की हस्ताक्षर विशेषज्ञ रिपोर्ट का परीक्षण हुआ तो निष्कर्ष क्या रहा ?
2. तीनों रसीद बुक और 713 सदस्यों की सूची का मिलान और सत्यापन हुआ या नहीं ?
3. मूल दस्तावेज मंगाकर जांच की गई या नहीं ?
4. DGP कार्यालय को मिले विशेष जांच आवेदन पर क्या कार्रवाई हुई और वह किस अधिकारी को सौंपा गया ?
5. क्या राखी थाना से अलग किसी वरिष्ठ / स्वतंत्र अधिकारी से पुनः जांच कराई गई ?

इस संबंध में पुलिस मुख्यालय और संबंधित अधिकारियों से पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक कोई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई।

एमजीएम के 56 विद्यार्थियों ने देखा भिलाई स्टील प्लांट का पुस्तक संसार

नीट समेत प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकों ने खींचा ध्यान, उच्च शिक्षा की तैयारी में उपयोगी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल, वैशाली नगर के कक्षा 11वीं एवं 12वीं के 56 विद्यार्थियों ने भिलाई इस्पात संयंत्र की सार्वजनिक पुस्तकालय एवं एचआर-एलएंडडी केंद्रीय पुस्तकालय का शैक्षणिक भ्रमण किया। स्कूल के अनुरोध पर आयोजित इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को पुस्तकालयों में उपलब्ध विभिन्न विषयों की पुस्तकों, संदर्भ सामग्री और अध्ययन संसाधनों से परिचित कराना था।

एचआर-एलएंडडी केंद्रीय पुस्तकालय में सेक्शन एसोसिएट नीतू सिंह ने विद्यार्थियों को पुस्तकालय की व्यवस्था एवं उपलब्ध पुस्तक संग्रह की जानकारी दी। कार्यक्रम सहायक प्रबंधक (एचआर-एलएंडडी) सैफुद्दीन फजली के मार्गदर्शन में हुआ। विद्यार्थियों ने शैक्षणिक एवं संदर्भ पुस्तकों के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से जुड़ी सामग्री में विशेष रुचि दिखाई। नीट सहित विभिन्न प्रवेश एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकों ने उनका खासा ध्यान आकर्षित किया।

ज्ञान और अध्ययन का केंद्र

मानव संसाधन लर्निंग एंड डेवलपमेंट सुविधा परिसर स्थित एचआर-एलएंडडी केंद्रीय पुस्तकालय बीएसपी कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों के लिए अध्ययन और ज्ञानार्जन का महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां व्यावसायिक अध्ययन, शैक्षणिक गतिविधियों, कौशल विकास एवं ज्ञानवर्धन से जुड़ी विभिन्न प्रकार की पुस्तकें एवं संसाधन उपलब्ध हैं। इसके बाद विद्यार्थियों ने बीएसपी सार्वजनिक पुस्तकालय का भी भ्रमण किया। आम जनता के लिए उपलब्ध इस पुस्तकालय में विभिन्न विषयों एवं रुचियों से संबंधित पुस्तकों और संदर्भ सामग्री का संग्रह है। विद्यार्थियों ने पुस्तकालय की सुविधाओं तथा अध्ययन सामग्री के बारे में जानकारी प्राप्त की।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकों में विशेष उत्साह दिखाया। उच्च शिक्षा और प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के महत्वपूर्ण चरण में पहुंचे विद्यार्थियों के लिए पुस्तकालय में उपलब्ध अध्ययन सामग्री उपयोगी रही। विद्यार्थियों को यह भी समझने का अवसर मिला कि नियमित पठन-पाठन और स्व-अध्ययन के लिए पुस्तकालय किस तरह महत्वपूर्ण संसाधन बन सकते हैं।

स्कूल की शिक्षिका एम. पुण्यवती रेड्डी ने इस पहल की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को बीएसपी की पुस्तकालय सुविधाओं से परिचित कराने के अवसर के लिए भिलाई इस्पात संयंत्र के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों में पुस्तकों के प्रति रुचि और स्व-अध्ययन की आदत विकसित करने में सहायक होते हैं। यह भ्रमण विद्यार्थियों के लिए केवल पुस्तकालय की जानकारी प्राप्त करने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्हें उपलब्ध ज्ञान संसाधनों का उपयोग करने, अपनी रुचि के विषयों का अध्ययन करने और भविष्य की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर संसाधनों से जुड़ने का अवसर भी मिला।

खास खबर

बीएसपी में कॉपर केबल चोरी का प्रयास, आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

भिलाई इस्पात संयंत्र के अंदर प्रवेश कर स्क्रैब कॉपर केबल चोरी कर ले जाने का प्रयास कर रहे एक आरोपी को सीआईएसएफ ने पकड़ लिया। सूचना मिलने पर भिलाई भट्ठी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 20 किलोग्राम स्क्रैब कॉपर केबल, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन जब्त किया है। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 27 हजार रुपये बताई गई है।

20 किलो स्क्रैब कॉपर केबल, बाइक और मोबाइल समेत 27 हजार का सामान जब्त

पुलिस के अनुसार 10 सितंबर को आरोपी निर्मल कुमार (44), निवासी स्कूल पारा सकरौद, थाना रनचिराई, जिला बालोद बीएसपी परिसर में प्रवेश कर 20 किलो स्क्रैब कॉपर केबल को अपनी मोटरसाइकिल में छिपाकर बाहर ले जाने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान सीआईएसएफ ने उसे पकड़ लिया। 11 सितंबर को केऔसुब इकाई, बीएसपी भिलाई की रिपोर्ट पर थाना भिलाई भट्ठी में अपराध दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। उसके कब्जे से चोरी की गई कॉपर केबल के अलावा एचएफ डिलक्स मोटरसाइकिल क्रमांक उऋ07 अह 2616 और मोबाइल फोन जब्त किया गया। पुलिस ने आरोपी को 11 सितंबर को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 20 किलो स्क्रैब कॉपर केबल (12 हजार), मोटरसाइकिल (10 हजार) और मोबाइल फोन (5 हजार) जब्त किया है। जब्त सामग्री की कुल कीमत 27 हजार रुपये है।

पॉक्सो मामले में मृत्युदंड दिलाने वाली पुलिस टीम को एसएसपी ने किया सम्मानित

DNA, FSL और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर हुई प्रभावी विवेचना

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

गंभीर पॉक्सो एवं हत्या के मामले में वैज्ञानिक और साक्ष्य आधारित विवेचना कर आरोपी को न्यायालय से मृत्युदंड दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली दुर्ग पुलिस की टीम को सम्मानित किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने विवेचना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अधिकारियों एवं कमर्चारियों को सम्मानित करते हुए उनके कार्य की सराहना की।

पुलिस के अनुसार मामले की विवेचना में डीएनए, एफएसएल, चिकित्सकीय एवं तकनीकी साक्ष्यों का समन्वित रूप से संकलन किया गया। इन साक्ष्यों के आधार पर प्रकरण को न्यायालय के समक्ष प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। इसके परिणामस्वरूप विशेष न्यायालय (पॉक्सो), दुर्ग ने आरोपी सोमेश यादव को दोषसिद्ध करते हुए मृत्युदंड से दंडित किया।

इनका हुआ सम्मान

सम्मानित पुलिस टीम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, आईयूसीएडब्ल्यू श्रीमती पद्मश्री तंवर, निरीक्षक शिवप्रसाद चन्द्रा (थाना प्रभारी मोहन नगर), निरीक्षक श्रद्धा पाठक (थाना प्रभारी महिला थाना), उप निरीक्षक चेतन चन्द्राकर (थाना प्रभारी छावनी), उप निरीक्षक पारस ठाकुर (थाना मोहन नगर), सउनि राजेन्द्र देशमुख, सउनि संगीता मिश्रा सहित थाना मोहन नगर एवं एसीसीयू दुर्ग के संबंधित अधिकारी-कमर्चारी शामिल रहे। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) एवं उप पुलिस अधीक्षक, हेडक्वार्टर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

वैज्ञानिक विवेचना पर जोर

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि गंभीर अपराधों में टीमवर्क, वैज्ञानिक विवेचना और साक्ष्य आधारित पुलिसिंग को प्राथमिकता देकर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। दुर्ग पुलिस द्वारा गंभीर मामलों में बेहतर अनुसंधान और मजबूत साक्ष्य संकलन के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

आरएफआईडी से होगी प्रवेश व्यवस्था बीएसपी के 12 गेट होंगे स्मार्ट

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में सुरक्षा एवं प्रवेश व्यवस्था के आधुनिकीकरण की दिशा में सेजेस (स्मार्ट एक्सेस एंड गेट एंट्री सिस्टम) परियोजना का शुभारंभ किया गया। परियोजना के तहत संयंत्र के सभी 12 प्रवेश द्वारों पर आरएफआईडी आधारित स्मार्ट गेट पास प्रणाली लागू की जाएगी। इससे कमर्चारियों, अधिकारियों और अन्य अधिकृत व्यक्तियों की आवाजाही अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित और सुगम होगी।

कमर्चारियों, अधिकारियों और अन्य अधिकृत व्यक्तियों की आवाजाही सुरक्षित, व सुगम होगी

कायर्पालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार ने परियोजना की आधारशिला रखी। कार्यक्रम में कायर्पालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) प्रवीण निगम, डीआईजी (सीआईएसएफ) चंदन कुमार झा, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (सेवाएं) प्रवीण राय भल्ला, मुख्य महाप्रबंधक (मैनेजमेंट सविर्सेज) रवि शंकर और मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) प्रशांत ओझा सहित बीएसपी एवं सीआईएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

आरएफआईडी और फेस रिकग्निशन तकनीक से प्रवेश के समय पहचान एवं सत्यापन प्रक्रिया आसान होगी। साथ ही विभिन्न गेटों से होने वाली आवाजाही की निगरानी और ट्रैकिंग बेहतर तरीके से की जा सकेगी। इससे अनधिकृत प्रवेश पर नियंत्रण मजबूत होगा और गेट प्रबंधन की कार्यप्रणाली अधिक दक्ष बनेगी। अधिकारियों ने सेजेस परियोजना को बीएसपी की सुरक्षा व्यवस्था के तकनीकी आधुनिकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

मॉडिफाइड साइलेंसर से पटाखे जैसी आवाज, पुलिस को देखकर वाहन छोड़ भागा चालक

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर तेज एवं कर्कश आवाज करने वाले वाहनों के खिलाफ यातायात पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। आम नागरिक की शिकायत पर यातायात पुलिस ने शुक्रवार को बिना नंबर प्लेट और मॉडिफाइड साइलेंसर लगे एक वाहन को शासकीय स्कूल कोसानाला के पास पकड़ा। हालांकि पुलिस को देखते ही चालक वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार नेहरू नगर निवासी ने यातायात पुलिस से शिकायत की थी कि एक वाहन तेज गति से चलाया जा रहा है और उसमें मॉडिफाइड साइलेंसर लगा होने के कारण पटाखे जैसी तेज आवाज निकल रही है। इससे आसपास के लोगों को परेशानी हो रही थी।

शिकायत को गंभीरता से लेते हुए यातायात पुलिस की टीम ने वाहन की तलाश शुरू की। अरक प्रवीण सिंह ने शासकीय स्कूल कोसानाला के पास संदिग्ध वाहन को पकड़ लिया। पुलिस को देखते ही चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। जांच में वाहन पर नंबर प्लेट नहीं लगी होने के साथ ही मॉडिफाइड साइलेंसर का इस्तेमाल पाया गया। यातायात पुलिस ने वाहन को आगे की वैधानिक कार्रवाई के लिए सुपेला थाना के सुपुर्द कर दिया है।

चिट्टा मामले में लंबे समय से फरार आरोपी पंजाब से गिरफ्तार

जामुल पुलिस ने अमृतसर ग्रामीण से दबोचा, पूर्व में 8 लाख से अधिक की सामग्री हुई थी जब्त

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

65 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामदगी के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को जामुल पुलिस ने पंजाब से गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने तकनीकी एवं मैदानी स्तर पर लगातार पतासाजी करते हुए आरोपी को अमृतसर ग्रामीण क्षेत्र से पकड़ा। आरोपी को संबंधित न्यायालय में पेश कर ट्रांजिट रिमांड प्राप्त किया गया है।

पुलिस के अनुसार 18 मई 2025 को होटल, लॉज और ढाबा संचालकों की जांच के दौरान ग्राम कुरूद स्थित रूढ़ाहा होटल के कमरा नंबर 106 की तलाशी ली गई थी। इस दौरान वैभव सोनी और शुभम सिंह के कब्जे से बिक्री के लिए रखा करीब 65 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद हुआ था। मामले में एक कार और एप्पल कंपनी के दो मोबाइल फोन सहित करीब 8 लाख 500 रुपये की सामग्री जब्त की गई थी। इस मामले में थाना जामुल में अपराध क्रमांक 343/2025 के तहत धारा 8/21(सी) एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया था।

मेमोरेण्डम में सामने आया नाम

विवेचना के दौरान गिरफ्तार

आरोपियों के मेमोरेण्डम कथन में हेरोइन उपलब्ध कराने में सरनजीत सिंह की संलिप्तता संबंधी तथ्य सामने आए। घटना के बाद से वह लगातार फरार चल रहा था। पुलिस उसकी तलाश में सूचना संकलन, तकनीकी विश्लेषण और संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी।

इसी दौरान आरोपी के पंजाब में होने की जानकारी मिलने पर जामुल पुलिस की टीम वहां पहुंची और 9 सितंबर 2026 को सुबह करीब 7 बजे सरनजीत सिंह उर्फ सोनू (23), निवासी ग्राम मेहमा, थाना चट्टीविंड, ग्रामीण अमृतसर, पंजाब को गिरफ्तार कर लिया। संबंधित न्यायालय से ट्रांजिट रिमांड प्राप्त करने के बाद आरोपी को दुर्ग लाया जा रहा है और मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

आपूर्ति नेटवर्क की जांच जारी

पुलिस के मुताबिक विवेचना में सामने आए तथ्यों के आधार पर आरोपी द्वारा हेरोइन (चिट्टा) उपलब्ध कराए जाने की बात सामने आई है। मादक पदार्थ की आपूर्ति और प्रकरण में उसकी भूमिका को लेकर आगे की जांच जारी है। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि मादक पदार्थों की बिक्री, परिवहन अथवा सेवन से संबंधित किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। सूचना के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

गणेश पंडालों को मिलेगा अस्थाई बिजली कनेक्शन

कायर्पालक निदेशक ने दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल) दुर्ग क्षेत्र ने गणेश उत्सव के मद्देनजर बड़ी पहल की है। कायर्पालक निदेशक शिरीष सेलट ने दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिले के फील्ड अधिकारियों को गणेश उत्सव समितियों के पंडालों के लिए त्वरित अस्थाई (टीसी) विद्युत कनेक्शन प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

11 सितंबर 2026 को जारी आदेश में बताया गया कि गणेश उत्सव सहित विभिन्न धार्मिक उत्सवों, पंडालों की सजावट, चलित झांकियों एवं मेलों के लिए विभाग द्वारा अस्थाई कनेक्शन की सुविधा दी जा रही है। श्री सेलट ने तीनों जिलों के अधिकारियों को पंडालों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

कायर्पालक निदेशक ने आमजनों और गणेश उत्सव समितियों से अपील की है कि वे पूजा पंडालों एवं मेलों के लिए विद्युत वितरण केंद्रों की अनुमति से वैध अस्थाई कनेक्शन ही प्राप्त करें, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर अनधिकृत रूप से हुकिंग कर बिजली का उपयोग किया जाता है, जिससे दुर्घटना और ट्रांसफार्मर में आग लगने की आशंका बनी रहती है। अवैध विद्युत उपयोग बिजली चोरी की श्रेणी में आता है, जो कानूनन जुर्म होने के साथ ही सामाजिक बुराई भी है।

उन्होंने बताया कि विद्युत चोरी रोकने के लिए गठित सतकर्ता टीम द्वारा सभी संभागों में स्थापित पंडालों की सरप्राइज चेकिंग की जाएगी। चेकिंग के दौरान आयोजकों को विद्युत कंपनी से प्राप्त प्राधिकार पत्र दिखाना होगा। व्यवस्था को सरल बनाने के लिए पंडाल में लगे मीटर के पास ही प्राधिकार पत्र चस्पा करना अनिवार्य किया गया है।

श्री सेलट ने समितियों से अनुरोध किया है कि वे वितरण केंद्रों में पदस्थ अधिकारियों से लोड का सही आंकलन करवाकर आवेदन प्रस्तुत करें, तथा पंडालों की वायरिंग अधिकृत इलेक्ट्रिशियन से करवाएं जिसमें अर्थिंग सही हो और जोड़ पर सही ढंग से टेप लगा हो, ताकि जन-धन की हानि को रोका जा सके।

जयन्ती स्टेडियम के पीछे गांजा बेचने ग्राहक तलाश रहा युवक गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

सेक्टर-6 स्थित जयन्ती स्टेडियम के पीछे तालाब पार गांजा बिक्री के लिए ग्राहक तलाश रहे एक युवक को भिलाई नगर पुलिस और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 2 किलो 50 ग्राम गांजा और 13,020 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। जब्त सामग्री की कुल अनुमानित कीमत 1 लाख 13 हजार 20 रुपये बताई गई है।

पुलिस के अनुसार 10 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि जयन्ती स्टेडियम के पीछे तालाब पार एक युवक गांजा लेकर ग्राहक की तलाश कर रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में

मौके पर दबिश दी। वहां संदिग्ध युवक को पकड़कर पूछताछ की गई। उसने अपना नाम हिमांशु ठाकुर (21), निवासी चाचा चौक, रुआबांधा, भिलाई बताया।

तलाशी के दौरान उसके पास रखे पुराने लाल-मटमैले भूरे रंग के थैले से सफेद पॉलिथीन में रखा 2 किलो 50 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने मादक पदार्थ का वजन कर उसे सीलबंद किया। आरोपी के पास से 13,020 रुपये नकद भी जब्त किए गए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर उसे 10 सितंबर को गिरफ्तार किया। न्यायालय में पेश करने पर आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। मामले में आगे की विवेचना जारी है। कार्रवाई में एसीसीयू टीम एवं थाना भिलाई नगर पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि मादक पदार्थों की बिक्री, भंडारण या परिवहन की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

जलकर वसूली को लेकर भिलाई नगर निगम की सख्ती

सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम के नेतृत्व में टीम पहुंची, बड़े बकायादारों से शीघ्र भुगतान के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

नगर पालिक निगम भिलाई आयुक्त सुरूचि सिंह के निर्देशानुसार निगम क्षेत्र में जलकर वसूली अभियान को तेज करते हुए बड़े बकायादारों से संपर्क कर बकाया राशि शीघ्र जमा करने के लिए सूचित किया जा रहा है। इसी क्रम में जोन क्रमांक-1 नेहरू नगर के राजस्व विभाग की टीम ने जलकर विभाग एवं एसपीएस एजेंसी के कमर्चारियों के साथ बड़े बकायादारों से संपर्क किया।

सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम के नेतृत्व में टीम ने चौहान टाउन हाउसिंग सोसायटी के पदाधिकारियों कृष्ण बहादुर सोनी, विवेक चतुर्वेदी एवं रिंकू सिंह से संपर्क कर सोसायटी के विरुद्ध बकाया 7 लाख 75 हजार रुपये जलकर की राशि शीघ्र जमा करने हेतु सूचित किया। निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बकाया जलकर का समय पर भुगतान नहीं करने पर नियमानुसार अधिभार की राशि भी देय होगी। इसी प्रकार ड्रीम होम सोसायटी, नेहरू नगर के अध्यक्ष अपूर्व घोष से संपर्क कर सोसायटी के विरुद्ध बकाया लगभग 15 लाख रुपये जलकर की राशि का अविलंब भुगतान किए जाने हेतु सूचना दी गई। निगम की टीम द्वारा अन्य बड़े बकायादार उपभोक्ताओं से भी संपर्क कर उन्हें बकाया जलकर की राशि समय पर जमा करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, ताकि अनावश्यक अधिभार से बचा जा सके। निगम प्रशासन ने शहर के सभी जलकर उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने बकाया जलकर की राशि निर्धारित समय में जमा करें। नियमित भुगतान से उपभोक्ता अधिभार से बचने के साथ ही निगम की राजस्व व्यवस्था को मजबूत करने में सहयोग कर सकते हैं। निगम द्वारा जलकर वसूली अभियान को आगे भी निरंतर जारी रखा जाएगा। इस कारर्वाई के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी शशांक शेखर, विनोद शुक्ला, निरंजन असाटी, डी रवि जलकर विभाग तथा एसपीएस एजेंसी के गुड्डू सिंह, शुभम लांजेवार एवं प्रवीण गंजीर सहित अन्य कमर्चारी उपस्थित रहे।

शिविर का आयोजन 15 को धमधा में

दुर्ग। जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग दुर्ग के सहयोग से वरिष्ठजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण प्रदाय हेतु 15 सितंबर 2026 को भीमराव अम्बेडकर भवन (बाजार चौक, धमधा) में शिविर लगेगा, जिसमें नगर पालिका परिषद कुम्हारी, जामुल, अहिवारा, नगर पंचायत धमधा एवं जनपद पंचायत धमधा के समस्त ग्राम पंचायत शामिल होंगे। अवसर पर श्रीमती मोनिका वर्मा आयुक्त नगर पालिक निगम रिसाली तथा वार्ड पार्षदगण श्री शैलेन्द्र कुमार साहू, सीमा साहू, माया यादव, सारिका साहू, सरिता देवांगन, श्री.ए.पी. गौतम, उपसंचालक समाज कल्याण विभाग दुर्ग शामिल होंगी।

खास खबर

साहित्य ही समाज की आत्मा है : 49 माह से अनवरत साहित्यिक अलख जगा रहा है साहित्य सृजन संस्थान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

जब डिजिटल युग में साहित्यिक अभिरुचि कम होती जा रही है, ऐसे समय में राजधानी रायपुर का साहित्य सृजन संस्थान पिछले 49 माह से लगातार काव्य संध्या के माध्यम से साहित्य की लौ को प्रज्वलित किए हुए है। यह अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है।

संस्थान की 49 वीं मासिक काव्य संध्या आगामी 13 सितंबर 2026 को विमतारा, मधु पिल्ले चौक, शांति नगर, रायपुर में आयोजित होने जा रही है। इस बार की संध्या *तीज त्यौहार की उमंग और हिंदी दिवस के गौरव* को समर्पित रहेगी।

साहित्य सृजन संस्थान केवल कवि सम्मेलन तक सीमित नहीं है। यह नए रचनाकारों के लिए एक मंच, एक पाठशाला है। यहां वरिष्ठ साहित्यकारों के सानिध्य में नवोदित कवियों को अपनी रचनाओं को निखारने और प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है। संस्थान की निरंतरता ही उसकी विश्वसनीयता है। साहित्य का महत्व – वीर अजित शर्मा अध्यक्ष कहते हैं साहित्य केवल शब्दों का समूह नहीं, बल्कि समाज का दर्पण है। साहित्य हमें हमारी संस्कृति, हमारे तीज-त्योहारों और हमारी भाषा हिंदी से जोड़े रखता है। तीज जैसे पर्व पर लिखी गई रचना जहां स्त्री के उल्लास और प्रेम को दर्शाती है, वहीं हिंदी दिवस पर रचना हमें हमारी मातृभाषा के सम्मान का बोध कराती है। साहित्य ही वह सेतु है जो पीढ़ियों को जोड़ता है।

नए रचनाकारों को प्रोत्साहन किया जाना हैं जिसमें

इस बार की संध्या में संस्थान द्वारा पूर्व में आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन के ओपन माइक प्रतिभागियों एवं निर्णायक मंडल का सम्मान* किया जाएगा। यह कदम निश्चित ही नए रचनाकारों का मनोबल बढ़ाएगा और उन्हें बड़े मंचों के लिए प्रेरित करेगा।

बारिश में जनता के बीच पहुंचे अरुण वोरा जलभराव पर अफसरों को किया अलर्ट

सड़कों की स्थिति और बारिश के दौरान नागरिकों को हो रही परेशानियों को मौके पर देखा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

तेज बारिश के बीच देर रात वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा ने दुर्ग शहर के विभिन्न इलाकों का दौरा कर जमीनी हालात का जायजा लिया। बारिश के कारण उत्पन्न जलभराव और आम जनता की परेशानियों को देखते हुए वोरा ने मौके से ही अधिकारियों से संपर्क कर प्रशासनिक अमले को तत्काल सक्रिय रहने के निर्देश दिए।

अरुण वोरा ने शंकर नगर, शक्ति नगर, अग्रसेन चौक तथा पद्मनाभपुर छक्‍ठ ऑफिस लाइन सहित आसपास के क्षेत्रों का भ्रमण किया। उन्होंने जलभराव, नालियों की सफाई, पानी निकासी, सड़कों की स्थिति और बारिश के दौरान नागरिकों को हो रही परेशानियों को मौके पर देखा।

वोरा ने अधिकारियों से दो टूक कहा कि तेज बारिश के समय जनता को अपने हाल पर नहीं छोड़ा जा सकता। जहां भी पानी भरने की शिकायत

मिले, वहां निगम का अमला बिना समय गंवाए पहुंचे और तत्काल पानी निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करे। निचले इलाकों में विशेष निगरानी रखने के साथ किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान केवल दफ्तरों में बैठकर हालात की समीक्षा करने से काम नहीं चलेगा, अधिकारियों को मैदान में उतरकर जनता की समस्याओं का समाधान करना होगा। शहर की जनता को जलभराव, गंदगी और अव्यवस्थाओं के कारण परेशानी न हो, यह प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। वोरा ने कहा कि शहर में जहां भी नाली जाम, जलभराव या सड़क पर पानी जमा होने की समस्या सामने आए, वहां तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। जनता की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। देर रात बारिश के बीच शहर के अलग-अलग इलाकों में पहुंचकर वोरा ने अधिकारियों को स्थिति पर लगातार नजर रखने और जरूरत पड़ने पर तत्काल राहत एवं पानी निकासी की व्यवस्था करने को कहा। इस दौरान राजकुमार पाली, मोहम्मद सफी (गोलू), राहुल अग्रवाल, सुधीर चंदेल एवं अमित गौतम भी उनके साथ मौजूद रहे।

त्यौहारी सीजन में यातायात व्यवस्था सुचारू रखने निगम की कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

त्यौहारी सीजन को देखते हुए नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने तथा आम नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सड़कों एवं सार्वजनिक स्थानों पर किए जा रहे अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जोन-1 नेहरू नगर अंतर्गत जोन राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने सड़क पर गणेश मूर्ति रखकर व्यवसाय करने वाले लोगों को हटाने की कार्रवाई की।

त्यौहारी सीजन में बाजार क्षेत्रों एवं प्रमुख मार्गों पर नागरिकों की आवाजाही बढ़ जाती है। ऐसे में सड़क किनारे दुकान, स्टॉल अथवा अन्य प्रकार की व्यावसायिक गतिविधियां संचालित होने से मार्ग संकरा होने के साथ ही यातायात प्रभावित होने की स्थिति निर्मित हो सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर सड़क पर रखी गई गणेश मूतियों एवं उनके आसपास किए जा रहे व्यवसाय को हटवाया। संयुक्त कार्रवाई के दौरान निगम के राजस्व अमले एवं पुलिस विभाग की टीम ने संबंधित व्यवसायियों को सड़क एवं आवागमन वाले स्थानों पर किसी भी प्रकार की सामग्री रखकर व्यापार नहीं करने की समझाइश दी। साथ ही सार्वजनिक मार्ग को बाधित नहीं करने तथा त्यौहारी सीजन के दौरान यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने कहा गया।

नगर निगम द्वारा स्पष्ट किया गया कि नागरिकों की सुविधा एवं सुगम यातायात को प्राथमिकता देते हुए प्रमुख मार्गों, बाजार क्षेत्रों एवं सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण तथा आवागमन में बाधा उत्पन्न करने वाली गतिविधियों के विरुद्ध कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। निगम ने व्यवसायियों से अपील की है कि वे निर्धारित स्थानों पर ही व्यवसाय करें और सड़क पर सामग्री रखकर यातायात व्यवस्था को बाधित न करें।

केंद्रीय OBC सूची में रावत जाति को शामिल करने की मांग, मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव को भेजा ज्ञापन

केंद्र शासन की योजनाओं एवं आरक्षण संबंधी सुविधाओं का लाभ नहीं मिल रहा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

छत्तीसगढ़ की केंद्रीय डइउ सूची में रावत जाति को शामिल कराने को लेकर ज्ञापन सौंपा गया है। छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन (अधिकारी-कमर्चारी प्रकोष्ठ) के प्रांताध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कमर्चारी संघ जिला दुर्ग के जिलाध्यक्ष भानु प्रताप यादव ने कलेक्टर दुर्ग के माध्यम से मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव एवं राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग को ज्ञापन प्रेषित किया है।

ज्ञापन में बताया गया है कि छत्तीसगढ़ राजपत्र क्रमांक-293 दिनांक 27 जून 2020 के माध्यम से रावत जाति को राज्य की पिछड़ा वर्ग सूची में शामिल किया गया है, लेकिन केंद्रीय राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग सूची में रावत जाति का पृथक उल्लेख नहीं होने के कारण समाज के लोगों को केंद्र शासन की योजनाओं एवं आरक्षण संबंधी सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति विकास निगम, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग के पत्र क्रमांक 2474/1909/2015/25-2 दिनांक 14/08/2025 तथा छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पत्र क्रमांक 453/बैठक/पिवआ/2025 दिनांक 10/06/2025 के माध्यम से अनुशंसा के बावजूद अभी तक केंद्रीय सूची में रावत जाति को शामिल नहीं किया गया है।

संगठन ने कहा है कि प्रदेश में यादव समाज की बड़ी आबादी है जो पशुपालन, दुग्ध व्यवसाय और दैनिक मजदूरी जैसे परंपरागत कार्यों पर निर्भर है। केंद्रीय सूची में नाम न होने से विद्यार्थियों और युवाओं को केंद्रीय शैक्षणिक संस्थानों और प्रतियोगी परीक्षाओं में डइउ के अवसरों का लाभ नहीं मिल रहा है। संगठन ने मांग की है कि छत्तीसगढ़ राज्य की अन्य पिछड़ा वर्ग की केंद्रीय सूची में अनुक्रमांक 01 में दर्ज "अहीर" के पश्चात "रावत" तथा अंग्रेजी में "फ्‌अहअळ" एवं "फ्‌अश्अळ" का उल्लेख जोड़ा जाए। यह ज्ञापन सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री भारत सरकार, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव तथा संबंधित विभागों को अग्रेषित किया गया है।

सरस्वती नगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई 4 किलो गांजा के साथ आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

डीसीपी वेस्ट जोन के निर्देशन में सरस्वती नगर पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने कुकुरबेड़ा ओवरब्रिज के नीचे से 4.015 किलोग्राम गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जप्त गांजे की कीमत लगभग 2 लाख रुपये आंकी गई है।

पुलिस के अनुसार दिनांक 10.09.2026 को थाना सरस्वती नगर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुकुरबेड़ा स्थित ओवरब्रिज के नीचे एक व्यक्ति गांजा बिक्री करने की फिराक में घूम रहा है।

सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त पश्चिम क्षेत्र श्री रॉबिन्सन गुड़िया ने थाना प्रभारी सरस्वती नगर को तस्दीक कर कार्रवाई के निर्देश दिए। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर संदिग्ध को पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम रवि मिश्रा पिता रमेश मिश्रा उम्र 35 वर्ष निवासी सुलभ के पास कुकुरबेड़ा थाना सरस्वती नगर रायपुर बताया। उसके कब्जे में रखी प्लास्टिक बोरी की तलाशी में मादक पदार्थ गांजा मिला। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से कुल 4.015 किलोग्राम गांजा जप्त कर थाना सरस्वती नगर में अपराध क्रमांक 192/2026 धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर कार्रवाई की है।

श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के प्रथम प्रकाश गुरुपर्व पर 12 सितंबर को विश्वभर में मनाया जाएगा पावन पर्व

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

सिख धर्म के सर्वोच्च एवं शाश्वत गुरु, श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज के 422 वें प्रथम प्रकाश गुरुपर्व को 12 सितंबर 2026 को भारत सहित पूरे विश्व में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। यह जानकारी बेमेतरा के वरिष्ठ सिख समाज सेवक एवं जिला अध्यक्ष हरदीप सिंघ राजा छाबड़ा ने दी। उन्होंने बताया कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी केवल सिख धर्म का पवित्र ग्रंथ ही नहीं, बल्कि समूची मानवता के लिए सत्य, प्रेम, समानता, सेवा और भाईचारे का मार्गदर्शन देने वाले शाश्वत गुरु हैं। दसवें पातशाह श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने गुरु ग्रंथ साहिब जी को गुरु गद्दी प्रदान कर सिख पंथ को शब्द गुरु का मार्ग दिखाया था, तभी कहा गया है - आज्ञा भई अकाल की तभै चलायो पंथ, सभ सिक्खन को हुकम है गुरु मान्यो ग्रंथ।*

1604 में हुआ था प्रथम प्रकाश

इतिहास के अनुसार पांचवें पातशाह श्री गुरु अर्जन देव जी ने प्रथम चार गुरु साहिबानों की वाणी, अपनी पावन बाणी तथा विभिन्न संत-भगतों की रचनाओं को एकत्रित कर आदि ग्रंथ का संपादन करवाया था। भाई गुरदास जी ने लेखन सेवा निभाई। सन 1604 ईस्वी में श्री गुरु अर्जन देव जी ने इस पावन ग्रंथ का प्रथम प्रकाश श्री हरिमंदिर साहिब, अमृतसर में करवाया और बाबा बुड्ढा जी को प्रथम ग्रंथी की सेवा सौंपी।

श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की विशेषता है कि इसमें एक समुदाय नहीं, बल्कि समूची मानवता की भलाई और जात-पात, ऊंच-नीच से ऊपर उठकर एक परमात्मा की उपासना का संदेश है।

छाबड़ा ने कहा कि आज जब समाज तनाव और भेदभाव से गुजर रहा है, तब गुरु ग्रंथ साहिब की बाणी प्रेम, संयम और सद्भावना का रास्ता दिखाती है। गुरु साहिब सिखाते हैं कि मनुष्य की पहचान जाति-धर्म से नहीं, बल्कि उसके कर्म और सेवा से होती है उन्होंने संगत से अपील की कि केवल माथा टेकने तक सीमित न रहें, बल्कि गुरबाणी को जीवन में धारण करें, जरूरतमंदों की सेवा करें और नशे व सामाजिक बुराइयों से दूर रहें।

न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर तहसील व जिला दुर्ग

:: ईश्तहार ::

राप्रक्र अ-6 वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अतिफउद्दीन अली खान पिता स्व. शाहिदउद्दीन अली खान उर्फ एस. ए. खान निवासी भिलाई द्वारा ग्राम कोहका पह नं0 45 स्थित भूमि खनं 2937 रकबा 0.0100 हे. भूमि आवेदक के पिता के नाम पर दर्ज है भूमिस्वामी की मृत्यु हो जाने से भूमिस्वामी का नाम विलोपित कर उनके विधिक वारीसानो का नाम दर्ज किये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 05.10.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 10.09.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई

न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार :-

2रा०प्र०क्र० अ-6 वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मोहम्मद मृगेश पिता स्व. मोहम्मद अनीश निवासी भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 45 स्थित भूमि ख.नं. 2659 रकबा 0.010 हे. भूमि आवेदक के पिता के नाम पर दर्ज है भूमिस्वामी की मृत्यु हो जाने से भूमिस्वामी का नाम विलोपित कर उनके विधिक वारीसानो का नाम दर्ज किये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 23.09.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01.09.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई (छ.ग.)

क्रमांक/चार/रा.वि./2026/332/208 — भिलाई, दिनांक 08/09/2026

फ्री-होल्ड हेतु दावा आपत्ति सूचना

छत्तीसगढ़ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मंत्रालय महानदी भवन अटल नगर, नवा रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ राजपत्र (असाधारण) में प्रकाशित अधिसूचना दिनांक 10.06.2026 के नियम 21 अनुसार नगर पालिक निकाय की भूमि का उपयोग आवासीय, वाणिज्यिक या अन्य प्रयोजनों हेतु हो रहा है, जो किसी व्यक्ति, संगठन आदि को पट्टे पर आमंत्रित की गई हो, तो ऐसी भूमि को संपपरिवर्तन के अधिकार की श्रेणी में लाया जा सकेगा। विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण/विकास प्राधिकरण या किसी अन्य विधिवत संस्था की होकर स्थानीय नगरीय निकाय के नियंत्रण या स्वामित्व में है, तथा उस पर विकसित एवं आवंटित भूखण्ड 30 वर्ष या उससे अधिक की कालावधि हेतु आवासीय या वाणिज्यिक या अन्य प्रयोजनों के लिए पट्टे पर दिए गए हैं, का फ्री-होल्ड में संपपरिवर्तन किया जा सकेगा।

फ्री-होल्ड के रूप में संपपरिवर्तन के लिये निर्मित भूखण्ड धारियों द्वारा आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया जाना है, जिस पर नियमानुसार कार्यवाही कर फ्री-होल्ड के रूप में संपपरिवर्तन किया जाना है। यदि किसी व्यक्ति को इस संबंध में किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद में प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

क्र.	पट्टाधारी का नाम पिता/पति का नाम	योजना का नाम	ब्लॉक क्र. /भूखण्ड क्र.	आकार
1.	श्रीमती रेखा अग्रवाल, पति श्री मुकेश अग्रवाल	मो.ने.न.पश्चिम आवासीय योजना	17/06	360 व.मी.
2.	सुंदर लाल जैन, आत्मज स्व. रतनचंद जैन	जवाहर मार्केट व्यावसायिक व्यवस्थापन	ER-26	384 व.फु.
3.	श्री डी.ओ. एस. राजपूत, आत्मज स्व. श्री चतुर सिंह राजपूत	प्रियदर्शिनी परिसर पश्चिम आवासीय योजना	13/03	240 व.मी.
4.	श्री अनिल कुमार सिंह, आत्मज स्व. लल्लन सिंह एवं श्रीमती माधुरी सिंह, पति अनिल कुमार सिंह	जवाहर नगर हुडको भवन LIG-2A	26/27	40.5 व.मी.
5.	श्रीमती सुनीता पंडित, पति श्री बुधलाल पंडित	जवाहर नगर हुडको भवन LIG-2A	20/32	40.5 व.मी.
6.	श्री बुधलाल पंडित, पिता श्री मुंशी पंडित	जवाहर नगर हुडको भवन LIG-2A	20/31	40.5 व.मी.
7.	मोहम्मद सलीम, आत्मज कमाल अली आवासीय व्यवस्थापन	दुर्गा नगर जोन-01 खुर्सीपार	व्यवस्थापन	56.55 व.मी.

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, भिलाई

संपादकीय

भाव की भाषा है हिंदी, यही है हमारी पहचान

संदीप सिंह

भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति और स्वाभिमान की पहचान होती है। हिंदी दिवस के अवसर पर यह कहना उचित होगा कि भारत की शान और आत्मा हमारी मातृभाषा हिंदी ही है। प्यार का भाव हर भाषा में एक ही है, पर उसे कहने का अंदाज अलग-अलग है। अंग्रेजी में 'कछ्ङ्क्ष५ी ङ्क्ष४', बंगाली में 'अे ळङ्क्षी ईँ'ङ्क्षं२ँ' और मराठी में 'ट्र ळ४ँ८ं५१ ढ२ी ङं१ ३ङ्क्ष' कहा जाता है। लेकिन जब हिंदी में हम कहते हैं 'मैं तुमसे प्यार करता हूँ' तो इन शब्दों में सिर्फ अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि एक गहरा अपनापन, सम्मान और आत्मीयता झलकती है। यही हिंदी की सबसे बड़ी विशेषता है। हिंदी दिल से दिल को जोड़ती है। अंग्रेजी को हम ज्ञान और स्टेटस के लिए उपयोग करते हैं, जबकि हिंदी रिश्ते बनाती है। माँ, माटी और मन की बात हिंदी में ही सबसे अच्छी लगती है।

हिंदी दुनिया की सबसे वैज्ञानिक भाषा है। इसमें जैसा लिखा जाता है, वैसा ही बोला जाता है। अंग्रेजी में 'इवळ' और 'ढवळ' में 'व' का उच्चारण अलग-अलग है, जबकि हिंदी में ऐसा भ्रम नहीं है।

शब्दों की समृद्धि में भी हिंदी का कोई मुकाबला नहीं। एक ही भाव के लिए कई शब्द हैं। प्रेम के लिए स्नेह, अनुराग, प्रीति, मोहब्बत जैसे शब्द केवल हिंदी में ही मिलते हैं।

अखंड भारत बहुभाषी है, लेकिन हिंदी वह सेतु है जो सभी भाषाओं को जोड़कर एक रूप प्रदान करती है। तभी तो कहा जाता है - हिंदी है हम, वतन है हिंदुस्तान है।

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर हिंदी में भाषण देकर यह सिद्ध कर दिया था कि हिंदी ज्ञान की नहीं, बल्कि स्वाभिमान की भाषा है।

आज आवश्यकता है कि हम अंग्रेजी जरूर सीखें, अन्य भाषाओं का सम्मान करें, पर गर्व हिंदी पर करें।
क्योंकि -
अंग्रेजी से ज्ञान बढ़े, तो हिंदी से सम्मान।
हिंदी है पहचान अपनी, हिंदी है अभिमान।।
जैसा कि भारतेंदु हरिश्चंद्र ने कहा है -
निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।
****बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल।।***

संचार और प्रबंधन के गुण सिखाते हैं श्रीगणेश

संजय उवाच

प्रो. संजय द्विवेदी

भारतीय संस्कृति अपने नायकों, प्रतीकों और उनकी कथाओं से जीवन रस लेकर ही आजतक प्राणवान है। जीवंत है। उसके नायक चिरयुवा हैं और संकटों से जूझकर सुंदर दुनिया बनाने की आकांक्षा से भरे-पूरे हैं। राम, कृष्ण, शिव, गणेश और ऐसे न जाने कितने देव हमें प्रेरित करते हैं। सबका जीवन सरल नहीं है। सब जूझते हैं और समाधान पाते हैं। आदर पाते हैं। लोकमंगल ही सबका ध्येय है। इन सबमें श्री गणेश की महिमा सबसे अलग है। गणेश चतुर्थी के प्रसंग पर उनकी पूजा के साथ यह जानना जरूरी है कि आखिर उनमें ऐसा क्या खास है जो उन्हें सबसे अलग बनाता है। वे असाधारण संचारकर्ता और कुशल प्रबंधक की तरह हमारे सामने आते हैं।

सुनते हैं सब कुछ ध्यान से

गणेश जी के बड़े कान इस बात की गवाही हैं कि वे हर बात को ध्यान से सुनते हैं। सुनना एक साधना है। ध्यान से सुनना उससे बड़ी साधना है। उन्होंने श्रवण कौशल को साध लिया है। दूसरों को ध्यान से सुने बिना न आप समझ सकते हैं न ही उचित निदान तक पहुंच सकते हैं। फैसले लेने हों या न लेने हों, सुनना तो पड़ेगा। गणेश जी ने इसे साध लिया है। इसलिए उन्हें विध्नहर्ता कहा गया, वे सुनकर हमारी समस्याओं का हल करने की क्षमता से लैस हैं।

बारीक नजर और दूरदर्शी नजरिया

नजर से ही नजरिया बनता है। आंखें सबके पास होती हैं किंतु दृष्टि सबके पास नहीं होती। सूक्ष्म विश्लेषण का गुण ऐसे ही अर्जित नहीं होता। संकट या सामान्य दिनों में भी बारीक और पैनी नजर रखना व्यक्ति का विलक्षण गुण है। गणेश जी इसी गुण से समादृत हुए। उनकी छोटी आंखें पैनी नजर और तीक्ष्ण एकाग्रता का प्रतीक हैं। वे किसी भी संकट का सूक्ष्म विश्लेषण करते हैं।

परिस्थितियों के अनुसार आचरण

श्री गणेश समय के साथ चलते हैं। मौके पर वे अनुकूलन कर लेते हैं और लचीलापन उनका स्वभाव है। कलाकारों को देखिए वे उनकी कितनी तरह की प्रतिमाएं बनाते हैं। उनका व्यक्तित्व ऐसा है कि उनमें प्रयोग संभव है। उनकी लचीली सूंड यह बताती है कि एक अच्छा कम्युनिकेटर (संचारक) कभी भी अपने रवैये में कठोर नहीं होता। लचीलापन, स्वीकार्यता और समावेशिता उसका मूल गुण है। समय और वातावरण को पहचान कर आचरण ही एक सफल संचारक की पहचान होती है। लोगों को प्रभावित करने में वे इसीलिए सफल होते हैं। आप देखें तो गणेश जी सकारात्मक संचार करते हैं। उनकी सर्वाधिक प्रतिमाएं इसलिए भेंट की जाती हैं, क्योंकि वे शुभ और सकारात्मकता का संचार करती हैं।

सीमित संसाधनों से बनाएं बेहतर जिंदगी

कम से कम संसाधनों के उपयोग से वे बेहतर जिंदगी का पाठ पढ़ाते हैं। उनके माता-पिता पूज्य शिव और मां पावर्ती उनके सामने ब्रम्हांड का चक्कर लगाने की शर्त रखते हैं तो कार्तिक अपने तेज वाहन मयूर से तत्काल यात्रा पर निकल जाते हैं। किंतु श्रीगणेश अपनी अप्रतिम बुद्धिमत्ता और सीमित संसाधनों के प्रयोग के संकल्प पर कायम रहते हुए अपने वाहन मूषक (चूहा) की सीमाओं को भी समझते हुए 'आउट आफ बाक्स' निर्णय लेते हैं। वे अपने माता-पिता की परिक्रमा करके ही स्मार्ट वर्क और रिसोर्स मैनेजमेंट का उदाहरण देते हैं। ऐसे कौशल ने उन्हें अप्रतिम बना दिया।

रुकना नहीं, चैरेवेति-चैरेवेति

वे रुकना नहीं जानते, निरंतर काम पर हैं। बाधाएं आती हैं तो आएं, इससे वे प्रभावित नहीं होते। महाभारत लिखने की कथा को आप याद करें। उस समय महर्षि वेदव्यास तेज गति से बोल रहे थे। गणेश जी उनके सहयोगी लेखक हैं। उनकी लेखनी (कलम) टूट जाती है। वे पल भर का समय नहीं देखते। तत्काल अपना एक दांत तोड़कर लिखना प्रारंभ कर देते हैं। इसलिए उनको 'एकदंत' के रूप में भी पूजा जाता है। अपनी समय सीमा में रहते हुए काम को वक्त पर पूरा करना ऐसी ही प्रतिबद्धता है, जिसके वे उदाहरण बने। अपने ऐसे प्रबंधकीय और लेखकीय गुणों से उन्होंने मानवता की सेवा की।

जमीन से जुड़े नायक

वे सब करते हैं। सब जानते हैं। संकटों के समाधान का रास्ता बताने वाले हैं किंतु सबके प्रिय गणेश जी कभी भी अपनी जमीन छोड़ते। पद और ज्ञान का अहंकार उन्हें छू तक नहीं गया है। वे जो हैं वह होना कठिन है। उनका विशाल शरीर है, वे असीम बुद्धिमत्ता से भरे हैं। इसके बाद भी वे छोटे से वाहन मूषक पर चल रहे हैं। आज जरा सी पद- प्रसिद्धि पाते ही लोग बड़े वाहनों पर चलने लगते हैं। हवाई यात्राओं में ही उनका जीवन और समय बीतता है। गणेश जी के पास सब कुछ हैं। लक्ष्मी साथ ही विराजमान हैं, किंतु वे अपने पुराने वाहन और पुराने सहयोगियों को नहीं भूलते। अहंकार उनके आसपास भी नहीं है। लोगों का मंगल करते हुए, लोगों के कष्ट दूर करते हुए वे सतत प्रवास करते हैं। संवाद करते हैं।

सब पचा लेते हैं

उनका बड़ा उदर (पेट) साधारण नहीं है। वे सब कुछ पचा जाते हैं। समाज और संगठन में हो रही हर अच्छी-बुरी बातों को संभालते हैं। उनका बड़ा पेट इस बात को बताता है कि कैसे लीडर को काम करना चाहिए। किस तरह उसको बिना विचलित हुए बहुत सारी निंदा, आलोचना और सुझावों को आत्मसात करते हुए पचा जाना चाहिए। वे निरंतर परिशुद्ध होते जाते हैं। समस्याओं का समाधान करते हुए लोकमंगल का व्रत निभाते हुए। वे कड़े भी हैं सरल भी। उनके हाथ में अंकुश भी है और पाश भी है। वे जानते हैं कि कब उन्हें कठोर होना है और कब सामान्य जनों को अपने प्रेम पाश में बांध कर रखना है। इसलिए देखिए तो गणेश जी बच्चों के सबसे प्रिय देवता हैं, वे अपने से लगते हैं। तो श्रेष्ठ जनों में उनको लेकर अलग पूज्य भाव दिखते हैं। इस तरह गणेश जी का कवरेज एरिया बहुत व्यापक है।

गणेश जी संकटों से घबराते नहीं रास्ता दिखाते हैं। वे ही हैं जिन्हें विध्नहर्ता कहा गया। 'रिस्क मैनेजमेंट' उनकी विशेषज्ञता का क्षेत्र है। उनको समाधान ही दिखते हैं, संकट नहीं। वे संकट को भांपकर उपयुक्त समाधान देते हैं। विविधता की स्वीकार्यता उनका गुण है। वे अपने पिता शिव के समस्त गणों से भी संवाद रखते हैं। जिनमें भूत,प्रेत, पशु, देवता सभी शामिल हैं। इतने विविध समुदायों से संवाद और उनका साहचर्य प्राप्त करते हुए वे विविधता को साधने वाले देवता बन जाते हैं। जिनके लिए कोई भी अलग नहीं है, पराया नहीं है। सभी उनके हैं। महान प्रबंधक कैसे विविध लोगों को साधते हैं। गणेश इसके उदाहरण हैं। वे माता-पिता दोनों के प्रिय हैं। दुलारे हैं। वे सभी के लिए गणपति हैं। सभी उन्हें प्रथम पूज्य मानते हैं। अपने जीवन के आरंभ में ही हुई महान दुर्धटना से उन्होंने खुद को उबार लिया। उसका दुख उन्होंने कभी प्रकट नहीं किया। वे बताते हैं जिंदगी रुकती नहीं आगे भी चलती है। आइए हम अपने देवों की सिर्फ प्रतीकात्मक पूजा न करें बल्कि उनके जीवन से सीखें भी और अनुसरण भी करें।

(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।)

डॉ. पूनम माटिया जी की कृति पर दो शब्द

पुस्तक समीक्षा

उम्मीद, संवेदना और लब-ओ-लहजे की मुकम्मल ग़ज़लें : 'शजर पे चांद उगाओ'

प्रख्यात कवयित्री, समाज सेविका एवं कुशल मंच संचालिका डॉ. पूनम माटिया जी का नवीनतम ग़जल-संग्रह 'शजर पे चांद उगाओ' हिंदी-उर्दू ग़जल-साहित्य में एक नई ताजगी और संवेदनात्मक गहराई लेकर आया है। हाल ही में रायपुर में आयोजित 'अखिल भारतीय कवि सम्मेलन' के दौरान जब उनसे भेंट हुई तो उन्होंने बड़ी आत्मीयता से अपनी यह कृति मुझे सौंपी।

संग्रह में कुल 45 ग़जलें संकलित हैं। भले ही कोई पाठक ग़जल के तकनीकी शिल्प और छंद-शास्त्रीय विधान (अरूज) का प्रकांड विद्वान न हो, लेकिन यदि उसमें भावों को महसूस करने की सहृदयता है तो यह संग्रह उसे पहले ही पृष्ठ से अपने पाश में बांध लेगा।

डॉ. पूनम माटिया जी केवल शब्दों को तरन्नुम में पिरोने वाली शाइरा नहीं हैं, बल्कि वे भाव-अभिव्यक्ति की ऐसी रचनाकार हैं, जो किसी एक ज़ुबान या शिल्प के दायरे में नहीं बंधतीं। उनकी ग़जलों में जहां एक ओर जिंदगी के तल्ख अनुभवों का सच है, वहीं दूसरी ओर घोर अंधेरों के बीच उम्मीद का दीया जलाने की अटूट ललक है।

पुस्तक के शीर्षक 'शजर पे चांद उगाओ' की सार्थकता इस शेर से पूरी तरह स्पष्ट होती है-

दिखाई देते नहीं हैं मुहब्बतों के समर,
शजर पे चांद उगाओ, बड़ा अंधेरा है।

यह शेर समाज में बढ़ती नफरत और बेरुखी के बीच प्रेम और सौहार्द की रोशनी फैलाने का एक काव्यात्मक आह्वान है।

उनकी ग़जलों का दर्शन अत्यंत व्यावहारिक और धैर्य बंधाने वाला है। जीवन की अनिश्चितताओं से बेखौफ होकर मुकाबला करने का जज्बा उनके इस शेर में झलकता है-

जिंदगी तो जिंदगी है, क्यों डरें हर बात में,
टूटती हैं टूटने दो, बिजलियां बरसात में।

इसी प्रकार समय के अटल चक्र और नियति के सहज स्वीकार को वे बड़ी खूबसूरती से अभिव्यक्त करती हैं-

हो अमावस या कि 'पूनम' हैं बंधे इक डोर से,
तय समय पर सब करेंगे, वापसी अपनी जगह।

प्रेम, समर्पण और मानवीय रिश्तों की बारीक सिलवटों को उकेरने में डॉ. पूनम माटिया जी को महारत हासिल है। वे कहती हैं-

तेरे प्यार में पड़कर हमने ये जाना,
खुश होकर क्यों अश्क बहाने लगते हैं।

फिर रिश्तों की बढ़ती दूरियों की पीड़ा व्यक्त करती हैं-

हम कभी नजदीकियों से थे परेशां बेतरह,
दरमियां अब सिलवटों को देखकर रोते रहे।

प्रकृति के साथ इंसानी मिजाज की तुलना भी उन्होंने बेहद सहज रूप से की है, जैसे-रहै हवा का काम सब, पर ये लगता है हमें / आस्मां के तारों का झिलमिलाता है मिजाज। अदबी दुनिया में डॉ. पूनम माटिया जी का सफर काफी तवील और समृद्ध रहा है। 'कलमकार मंच' द्वारा प्रकाशित यह संग्रह (144 पृष्ठ) अपने आवरण, मुद्रण और विषय-वस्तु तीनों ही दृष्टिकोण से बेमिसाल है। वरिष्ठ साहित्यकारों का भी मानना है कि पूनम जी की ग़जलें किसी उदास और बेचैन दिल को सुकून देने के साथ-साथ जिंदगी के कैनवास पर सकारात्मक रंग भरती हैं।

'शजर पे चांद उगाओ' संग्रह न केवल सामान्य पाठकों के दिलों में अपनी खास जगह बनाएगा, बल्कि समकालीन ग़जल-साहित्य को समृद्ध करने में भी एक महती भूमिका निभाएगा। एक सहृदय पाठक के रूप में मेरी ओर से डॉ. पूनम माटिया जी को इस कृति के लिए हार्दिक बधाई एवं ढेरों शुभकामनाएं!

- राजकुमार धर द्विवेदी

कविता का कोना

तुम्हारे पीछे चलना सीखा

जिस दिन थामा हाथ तुम्हारा,
दुनिया मेरी बदल गई,
अपनों से दूर हुए तो जैसे,
हर मौसम की चाल बदल गई।

खुद की पहचान मिटा कर हमने,
तेरी पहचान से जीना सीखा,
घर हो या फिर बाजार कहीं,
हर कदम तुम्हारे पीछे चलना सीखा।

बर्तन घिसते-घिसते कमर टूट गई,
रोटियां बनाते हाथ भी जलते हैं,
चेहरे पर फिर भी मुस्कान लिए,
हम हर दर्द को चुपचाप सहते हैं।

तुम्हारे घर को अपना समझकर,
हर रिश्ता दिल से निभाया है,
कभी पत्नी बनकर, कभी मां बनकर,
इस घर को अपना संसार बनाया है।

पर जब बदले में प्यार न मिले,
तो दिल अंदर से रोता है,
पति-पत्नी का रिश्ता तभी बड़ा है,
जब दोनों में सम्मान होता है।

सिर्फ साथ रहने से रिश्ता नहीं
बनता,
एक-दूजे को समझना पड़ता है,
जहां पत्नी का मान हो दिल में,
वहीं पति भी सच्चा साथी कहलाता
है।

कवियत्री-ममता दुबे

देश की राजनीति में मोदी राकस्टार का नया अवतार इसी तरह का प्रयास

सबसे अच्छा लीडर वह होता है जो लोगों से जुड़ने व लोगों को अपने से जोड़ने के लिए नए आइडियों की तलाश में रहता है,ठीक मौके पर उस आइडिए पर अमल करता है। इससे वह नए लोगों को अपने से जोड़ता भी है और नए लोगों से जुड़ता भी है,साथ ही वह अपनी लोकप्रियता बढ़ाने के साथ है यह भी जांच करता रहता है कि कही उसकी जो साख है लोगों के बीच वह कम तो नहीं हुई है ।पीएम मोदी देश के ऐसे ही सबसे अच्छे लीडर है,वह नए प्रयोग करने में सबसे आगे रहते हैं,वह रिस्क उठाने में सबसे आगे रहते हैं ।वह रिस्क उठाते हैं, इसलिए वह सबसे ज्यादा सफल भी होते हैं ।उन्होंने राजनीति में लोगों से जुड़ने के लिए कई तरह के प्रयोग किए है,राजनीति में सबसे पहले सोशल मीडिया का प्रयोग उन्होंने ही किया। चुनाव में चाय पर चर्चा का आयोजन कर नया प्रयोग किया ।मन की बात से वह देश के लोगों से हर सप्ताह जुड़ते हैं,परीक्षा पर चर्चा के जरिए वह छात्रों से जुड़े हुए हैं। इसके अलावा युवा इनफ्लूएंसर्स,स्टार्ट अप चलाने वाले युवाओं से हर साल बात करते हैं ।जेनजी से जुड़ने की बात आई तो वह खुद इंस्टाग्राम में जाकर जेन जी से जुड़ने के लिए पहल की ।वहां भी अपने समथर्कों की खूब संख्या बढ़ाई।

इसके अलावा वह सरकारी व निजी विवि के खास कार्यक्रमों में जाकर भी युवाओं से मिलते रहते हैं ।युवाओं को विकसित भारत का अपना लक्ष्य बताते हैं और उससे देश के युवाओं को जोड़ते हैं और बताते हैं कि विकसित भारत के लक्ष्य को देश युवाओं के सहयोग से ही पा सकता है। वह विकसित भारत को देश का लक्ष्य बताते हैं, उसे पाने के लिए हमेशा युवाओं को प्रेरित करते रहते हैं ।वह खुद बड़ा काम करते हैं,कुछ नया करने की सोचते हैं और देश के युवाओं को भी हमेशा बड़ा करने के लिए प्रेरित करते हैं, कुछ नया करने के लिए प्रेरित करते हैं ।वह कुछ नया करने से नहीं डरते हैं,वह नहीं सोचते हैं कि नया करने पर असफल होने पर उनका मजाक उड़ाया जाएगा ।यही वजह है कि वह 70 साल के ज्यादा होने के बाद युवाओं की तरह कुछ नया करते हुए उत्साह से भरे रहते हैं ।देश की राजनीति में उनका राकस्टार का नया अवतार इसी तरह का प्रयास है। वह देश के उम्रदराज नेता है और देश के युवाओं से जुड़ने के नया प्रयास किया और उनके नये प्रयास को युवाओं ने खूब पसंद किया है।

पीएम मोदी का वडोदरा मे आयोजित कार्यक्रम था तो सरकारी कार्यक्रम लेकिन इस बार पीए मोदी ने उसे नया स्वरूप दिया। जैसे किसी राकस्टार के कार्यक्रम में स्टेज होता है, जैसा माहौल होता था, वैसा स्टेज बनाया गया, वैसे ही गाने बजाए गए,पीए मोदी स्टेंज मे युवाओं को पसंद आने वाले बजते हुए गानों के बीच स्टेज पर आये तो वह राजनीति के नए राक स्टार की तरह आए और उनके इस राकस्टार वाले अंदाज को युवाओं ने खूब पसंद किया ।होने को देश में एक से एक खुद को युवा समझने वाले नेता हैं लेकिन किसी को यह आइडिया नहीं सूझा की युवाओं से ऐसे भी जुड़ा जा सकता है और ऐसे भी जोड़ा जा सकता है ।कार्यक्रम का आयोजन तो ३५ हजार करोड़ परियोजना का लोकार्पण व शिलान्यास का था लेकिन इस कार्यक्रम को पीएम मोदी एक बोरिंग सरकारी कार्यक्रम की जगह युवाओं के लिए रोचक कार्यक्रम बना दिया। ऐसा आज तक किसी पीएम के कार्यक्रम में नहीं किया गया था ।सब परंपरागत तरीकों पर ही अमल करते रहे हैं। यानी परंपरा बना दी गई थी कि पीएम का कार्यक्रम है तो वह एक पुराने ढर्रे पर ही होगा।

पीएम मोदी पहले ऐसे नेता है जो देश के लोगों के बीच अपनी साख की जांच करते रहते हैं और जांच करने का उनका अपना तरीका है। वह देश के पहले ऐसे नेता हैं जिनका देश की जनता पर पूरा भरोसा है और देश की जनता भी उन पर बहुत भरोसा करती है। सबसे पहले पीएम मोदी ने अपनी साख की परीक्षा कोरोना के वक्त की। यह बड़ा रिस्की काम था लेकिन पीएम मोदी ने किया। कोराना संकट के समय सेना या पुलिस का कर्फ्यू लगाने की जगह उन्होंने जनता से कर्फ्यू लगाने का आव्हान किया और देश की जनता ने ऐसा किया। यह नेता व जनता के बीच परस्पर भरोसे का कमाल था ।इसके बाद पीएम मोदी ने एक बार दिया जलाने को कहा, एक बार घंटी, शंख,थाली बजाने का कहा तो देश के लोगों ने ऐसा किया। इससे पीएम मोदी को पता चला कि देश की जनता उन पर उतना भरोसा करती है जितना भरोसा वह जनता पर करते हैं। इसी साख को जांचने का काम उन्होंने एक बार फिर से वडोदरा में किया और उनको पता चला है कि युवाओं के बीच उनकी साख बनी हुई है।

पीएम मोदी का अपनी लोकप्रियता को बढ़ाने व साख जो जांचते रहने का अपना तरीका है। वह यह काम हर चुनाव में भी करते हैं और वह उसमें सफल रहते हैं बिहार चुनाव में उनके गमछा लहराने का व्यापक असर हुआ था तो बंगाल चुनाव में एक दुकान में रुककर झालमुड़ी खाने का असर भी व्यापक देखा गया था। पीएम मोदी हमारे देश की राजनीति के मेगा स्टार हैं वह जो कुछ भी करते हैं वह लोगों को खूब पसंद आता है। इस बार वडोदरा में उन्होंने कार्यक्रम में छह हजार लोगों को बुलाने का फैसला किया। इससे लिए एक एप में लोगों को बुकिंग करानी थी तो बुक माई शो की बुकिंग शुरू हुई तो एक घंटे में ही सभी 6 हजार सीटें बुक हो गई और 42 हजार लोग वेटिंग में थे यानी इतने लोग कार्यक्रम में जाना चाहते थे ।यानी 48 हजार लोग पीएम मोदी के कार्यक्रम में आना चाहते थे। कहां राहुल गांधी के कार्यक्रम में दस हजार लोगों की भीड़ जुटानी पड़ती है, वहीं पीएम मोदी के कार्यक्रम में 42 हजार लोग खुद आना चाहते हैं.इसी से पता चलता है कि पीएम मोदी देश के सबसे लोकप्रिय नेता है और राहुल गांधी उनके बहुत पीछे हैं।

बिजली सप्लाई के निजीकरण का कांग्रेस करेगी पुरजोर विरोध–जावेद खान

टाटा पावर द्वारा केवल डिस्ट्रीब्यूशन यानी वितरण का लाइसेंस मांगा जाना उसकी मंशा पर सवाल खड़ा करता है

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

छत्तीसगढ़ में बिजली आपूर्ति में निजी क्षेत्र की एंट्री और टाटा पावर द्वारा रायपुर, धरसींवा, मंदिर हसौद और अभनपुर तहसीलों में वितरण लाइसेंस मांगने के मामले पर कांग्रेस कमेटी ने राज्य सरकार और केंद्र सरकार पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

जिला कांग्रेस कमेटी भिलाई के प्रवक्ता जावेद खान ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कोयला प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। इसी कारण छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के बाद से अब तक प्रदेश में 40 से अधिक निजी पावर प्लांट स्थापित किए गए हैं। इन पावर प्लांटों की स्थापना से उनके आसपास कई–कई किलोमीटर के दायरे में जमीन की उर्वरता पूरी तरह नष्ट हो चुकी है। जमीन अब फसल देने के काबिल नहीं रही है। किसान बर्बाद हो रहा है और प्रदूषण की मार छत्तीसगढ़ की जनता झेल रही है, उन्होंने कहा कि अगर छत्तीसगढ़ अपनी जमीन, अपना पानी, अपना कोयला और अपना पर्यावरण दांव पर लगा रहा है तो इसके बदले में प्रदेश की जनता को कम दर पर बिजली मिलती थी ये कांग्रेस की सरकार की सोच हुआ करती थी इसमें क्या हर्ज है? यह छत्तीसगढ़ का हक है लेकिन भाजपा सरकार ने सभी छूट समाप्त करते हुए बिजली की दरे बढा दी है और अब सप्लाई का भी निजीकरण करने जा रही है।

टेलिकॉम सेक्टर जैसा हाल हो जाएगा बिजली भी राज्य का विषय नही रहेगा ऐसा प्रतीत होता है कि केन्द्र सरकार राज्य संबंधित विषय (सम्पत्ति) का केन्द्रीयकरण करने पर उतारू हैं

टाटा पावर द्वारा केवल डिस्ट्रीब्यूशन यानी वितरण का लाइसेंस मांगा जाना उसकी मंशा पर सवाल खड़ा करता है। अगर टाटा को सच में छत्तीसगढ़ की सेवा करनी है तो वह यहां पावर प्लांट स्थापित करे, बिजली उत्पादन करे। केवल सप्लाई का ठेका लेकर, बिना कोई निवेश और बिना कोई जोखिम उठाए मुनाफा कमाना ही टाटा की मंशा प्रतीत होती है।

जावेद खान ने कहा कि बेहतर होगा कि छत्तीसगढ़ सरकार बिजली आपूर्ति का कार्य अपने ही अधिकार में रखे। टाटा पावर जिन शहरों - मुंबई, दिल्ली, अजमेर का उदाहरण दे रही है, उन शहरों में प्रचुर मात्रा में पावर प्लांट नहीं हैं। वहां दूसरे प्रदेशों से पावर ग्रिड के माध्यम से बिजली खरीद कर सप्लाई की जाती है। छत्तीसगढ़ और उन शहरों की पृष्ठभूमि बिल्कुल अलग है। छत्तीसगढ़ स्वयं बिजली उत्पादक राज्य है और देश को बिजली देता है, उन्होंने चेतावनी दी कि भले ही आज छत्तीसगढ़ सरकार और नियामक आयोग यह कह रहे हैं कि टाटा पावर केवल सप्लाई करेगा और दरें आयोग तय करेगा, लेकिन यह निजीकरण की शुरुआत है। आज एक कंपनी को लाइसेंस मिलेगा, कल दूसरी को मिलेगा और फिर संपूर्ण रूप से निजीकरण होने के बाद बिजली सप्लाई व्यवस्था का हाल भी टेलीकॉम सेक्टर जैसा हो जाएगा।

जिस तरह टेलीकॉम में निजीकरण के बाद 30 दिन के महीने को 28 दिन और फिर 24 दिन का रिचार्ज बना दिया गया और सभी सर्विस प्रोवाइडर्स के अलग-अलग दर और पैकेज लागू कर दिए गए, ठीक वही हाल गरीब और मध्यम वर्ग के बिजली उपभोक्ताओं का होगा।

इन सभी तथ्यों को मद्देनजर रखते हुए जिला कांग्रेस कमेटी भिलाई मांग करती है कि छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग टाटा पावर के आवेदन को जनहित और प्रदेश हित में तत्काल खारिज करे और भविष्य में भी बिजली आपूर्ति जैसे आवश्यक सार्वजनिक सेवा में निजी क्षेत्र को अनुमति न दी जाए। यदि जनभावनाओं को अनसुना किया गया तो कांग्रेस सड़क पर उतर कर आंदोलन करेगी।

खास खबर

विधायक हर्षिता बघेल ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

नई दृष्टिबिंदु / डोंगरगढ़

विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गातापार कला स्थित सामुदायिक भवन में कांग्रेस कमेटी की ठेलकाडीह मंडल स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में डोंगरगढ़ विधायक हर्षिता स्वामी बघेल शामिल हुईं। बैठक में संगठन को मजबूत एवं सक्रिय बनाने और आगामी गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान विधायक ने आसपास के गांवों से आए ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण, बिजली व्यवस्था, खाद की उपलब्धता, अघोषित कटौती, गैस सिलेंडर और शक्कर के बढ़े दामों सहित स्थानीय मुद्दों से अवगत कराया।

विधायक हर्षिता बघेल ने समस्याओं के निराकरण के लिए हरसंभव प्रयास का आश्वासन देते हुए कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं को प्राथमिकता से संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाकर समाधान कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं की सक्रियता और जनता से निरंतर संवाद से ही संभव है। ग्रामीणों के मुद्दों को मजबूती से उठाना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। बैठक में पूर्व जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष नवाज खान, ब्लॉक कांग्रेस मुढ़ीपार के तेजराम वर्मा, वरिष्ठ कांग्रेसी कमलेश सिंह, कमलेश्वर वर्मा, राजभान लोधी, मंडल अध्यक्ष रौनक बाफना, सेक्टर अध्यक्ष बालचंद साहू सहित बूथ अध्यक्ष, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने निर्माणाधीन संयुक्त कलेक्ट्रेट एवं एसडीएम कार्यालय भवन का किया निरीक्षण

कार्यपालन अभियंता को नियमित निरीक्षण एवं साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / सारंगढ़।

कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने शुक्रवार को सुबह सृजित सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के निर्माणाधीन संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन एवं नवीन तहसील-एसडीएम कार्यालय भवन का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का बारीकी से जायजा लिया। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले के महत्वपूर्ण प्रशासनिक भवनों के निर्माण में गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए तथा सभी कार्यों में अपेक्षित प्रगति लाते हुए उन्हें निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने संबंधित निर्माण एजेंसी को उच्च गुणवत्ता के साथ कार्यों की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यपालन अभियंता को निर्माण कार्यों का नियमित निरीक्षण करने तथा प्रत्येक सप्ताह कार्यों की प्रगति की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के सख्त निर्देश दिए, ताकि निर्माण कार्यों की सतत निगरानी सुनिश्चित की जा सके और किसी भी प्रकार की तकनीकी कमी अथवा विलंब का समय रहते निराकरण किया जा सके।

कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने लगभग 18 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन नवीन संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने भवन के विभिन्न कक्षों, कार्यालयीन व्यवस्थाओं तथा अन्य निर्माण कार्यों का अवलोकन करते हुए अधिकारियों से कार्यों की प्रगति की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान भवन के कुछ कमरों में सीपेज की समस्या सामने आने पर कलेक्टर ने इसे गंभीरता से लिया और संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को उचित तकनीकी समाधान के माध्यम से समस्या का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन नवगठित जिले की प्रशासनिक व्यवस्था का प्रमुख केंद्र होगा, इसलिए निर्माण के प्रत्येक कार्य को पूरी गुणवत्ता और तकनीकी मानकों के अनुरूप पूरा किया जाना आवश्यक है।

कलेक्टर ने निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने, गुणवत्ता परीक्षण पर विशेष ध्यान देने तथा शेष कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण एजेंसी और संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्धारित समय-सीमा में भवन को पूर्ण करने की दिशा में गंभीरता से कार्य करें।

कलेक्टर इसके बाद ने सारंगढ़ में लगभग 3 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन नवीन तहसील एवं एसडीएम कार्यालय भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने भवन के विभिन्न कक्षों में पहुंचकर निर्माण कार्यों और प्रस्तावित कार्यालयीन व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा अधिकारियों को भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर भवन का निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने न्यायालयीन कार्यों के संचालन को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित कोर्ट रूम के आकार एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली। पर्याप्त स्थान की आवश्यकता को देखते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कोर्ट रूम को और अधिक विस्तृत एवं न्यायालयीन कार्यों के अनुरूप सुविधाजनक ढंग से तैयार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि नवीन कार्यालय भवनों का निर्माण केवल वर्तमान जरूरतों को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि भविष्य की प्रशासनिक आवश्यकताओं और आम नागरिकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए। भवन की व्यवस्थाएं ऐसी हों कि कार्यालय प्रारंभ होने के बाद नागरिकों तथा अधिकारी-कर्मचारियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों, कार्यपालन अभियंता एवं संबंधित ठेकेदारों को नियमित निरीक्षण, गुणवत्तापूर्ण निर्माण और साप्ताहिक प्रगति की प्रभावी समीक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

छह माह में 800 संस्कार शिक्षक, हजारों बच्चों तक पहुंचा संस्कार शिक्षा का संदेश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर।

समस्त छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में संस्कार, संस्कृति और नैतिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए संस्कार शिक्षा फाउंडेशन ने पिछले छह माह में उल्लेखनीय कार्य किया है। फाउंडेशन के लगभग 800 संस्कार शिक्षक प्रतिदिन सरकारी-निजी प्राथमिक विद्यालयों, स्वामी आत्मानंद विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों में निःशुल्क दो घंटे संस्कार शिक्षा दे रहे हैं।

फाउंडेशन के लगभग 800 संस्कार शिक्षक प्रतिदिन सरकारी-निजी प्राथमिक विद्यालयों, स्वामी आत्मानंद विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों में नि:शुल्क दो घंटे संस्कार शिक्षा दे रहे हैं

शिक्षकों द्वारा बच्चों को वेद मंत्र, गुरु मंत्र, भोजन मंत्र, शिष्टाचार, अनुशासन, नैतिक शिक्षा और जीवन मूल्यों के माध्यम से शिक्षित किया जा रहा है। फाउंडेशन के अनुसार यह पहल बच्चों के सर्वांगीण विकास और समाज में संस्कारयुक्त नागरिक तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

इसी क्रम में नशामुक्ति अभियान के तहत विभिन्न विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों में लगभग 200 बच्चों को नशामुक्त जीवन की शपथ भी दिलाई गई। फाउंडेशन के डायरेक्टर फाउंडर धीरेंद्र कुमार शर्मा और अनिल सिंह ने बताया कि सरकार बच्चों में संस्कार और नैतिक मूल्यों पर जोर दे रही है, ऐसे में सरकार की नीतियों को आगे बढ़ाना समाज की जिम्मेदारी है। फाउंडेशन ने दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में भी शिक्षकों की नियुक्ति की है।

फाउंडेशन का उद्देश्य केवल शैक्षणिक ज्ञान नहीं, बल्कि बच्चों में अनुशासन, शिष्टाचार और भारतीय संस्कृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। "संस्कार से शिक्षा और शिक्षा से सर्वांगीण विकास" के ध्येय के साथ यह अभियान आने वाले समय में और अधिक विद्यालयों तक पहुंचाया जाएगा।

कुरूद एसएलआरएम के सामने निर्मित डॉग हाउस में प्रतिदिन 40 से 44 डॉग के बधियाकरण का लक्ष्य

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा कुरूद एसएलआरएम सेंटर के सामने आवारा एवं सामुदायिक कुत्तों के प्रबंधन हेतु डॉग हाउस का निर्माण किया गया है। डॉग हाउस में कुल 44 केज (कैच) की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक केज में 4 डॉग रखने की क्षमता के अनुसार एक समय में लगभग 176 डॉग की व्यवस्था की गई है।

नगर निगम द्वारा शहर में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या को नियंत्रित करने तथा पशु जन्म नियंत्रण

कार्यक्रम को प्रभावी रूप से संचालित करने के उद्देश्य से यहां प्रतिदिन लगभग 40 से 44 डॉग के बधियाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

डॉग हाउस में डॉग को पकड़कर निर्धारित प्रक्रिया के तहत बधियाकरण किया जाएगा तथा आवश्यक देखरेख के पश्चात उन्हें निर्धारित स्थान पर वापस छोड़ा जाएगा। इस व्यवस्था से शहर में आवारा कुत्तों की संख्या को नियंत्रित करने के साथ-साथ नागरिकों को होने वाली परेशानियों में भी कमी लाने में मदद मिलेगी।

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम को व्यवस्थित एवं प्रभावी तरीके से संचालित करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

पीएम सूर्य घर योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए ग्राम सचिव दीपक वैष्णव सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए ग्राम पंचायत भर्रेगांव के सचिव दीपक वैष्णव को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया।

दीपक वैष्णव ने बताया कि योजना के प्रति जागरूकता लाने के लिए

उन्होंने रोजगार सहायक और ग्रामीणों के सहयोग से डोर-टू-डोर संपर्क अभियान चलाया। सप्ताह में दो से तीन दिन सुबह-शाम ग्रामीणों के घर जाकर योजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पात्र हितग्राहियों को सोलर संयंत्र की क्षमता के अनुसार सब्सिडी से स्थापना लागत कम होती है और सौर ऊर्जा से बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आती है। वैष्णव ने बताया कि लगातार प्रोत्साहित करने से ग्रामीणों में जागरूकता बढ़ी है और शीघ्र ही गांव में 100 सोलर पैनल लग जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह योजना ग्रामीण परिवारों को सौर ऊर्जा अपनाने और बिजली खर्च कम करने का महत्वपूर्ण अवसर दे रही है, इसके लिए वे आगे भी प्रयास जारी रखेंगे।

जागरूकता | पुलिस ने अपील की – जागरूक बनें, सुरक्षित रहें, साइबर ठगी होने पर तुरंत 1930 पर शिकायत करें

साइबर जागृति अभियान, 2000 छात्रों को दिया गया साइबर सुरक्षा का संदेश

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए राजकुमारी इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ के कैंपस-2 स्थित क्ङरश ऑडिटोरियम में गुरुवार को साइबर जागृति अभियान के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 2000 छात्र-छात्राओं और नागरिकों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री महिला एवं बाल विकास विभाग लक्ष्मी राजवाड़े ने साइबर अपराधों के प्रति सजग रहने और समाज में जागरूकता फैलाने की अपील की। उन्होंने साइबर फ्रॉड से बचने के लिए आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी। अध्यक्षता कर रहे राजनांदगांव रेंज के IG अजय कुमार

यादव ने कहा कि अपराधों की प्रकृति तेजी से बदल रही है। पारंपरिक अपराधों की जगह अब साइबर अपराध बढ़ रहे हैं, इसलिए डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूकता जरूरी है। उन्होंने बताया कि खैरागढ़-छुईखदान-गंडई पुलिस द्वारा लगातार साइबर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को अनजान लिंक, संदिग्ध कॉल से सावधान रहने, OTP, PIN और बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा न करने के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम के बाद मुख्य अतिथि और IG ने सेल्फी लेकर साइबर जागरूकता का संदेश दिया।

इस अवसर पर एडीजे खैरागढ़, कुलपति डॉ. लवली शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रियंका खम्हन ताम्रकार, उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह, डीएफओ संजय यादव, एसडीएम, जिला पंचायत सीईओ प्रेम कुमार पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष गिरजा चंद्राकर सहित जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे। पुलिस ने अपील की – जागरूक बनें, सुरक्षित रहें, साइबर ठगी होने पर तुरंत 1930 पर शिकायत करें।

सेवा संकल्प अभियान को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों के मध्य समन्वय बैठक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिले में आगामी 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित सेवा संकल्प अभियान के संबंध में आज जिला पंचायत के सभाकक्ष में जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के मध्य समन्वय बैठक आयोजित की गई। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं दुर्ग ग्रामीण विधायक श्री ललित चन्द्राकर की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में श्री सुरेन्द्र कौशिक, श्री पुरूषोत्तम देवांगन, श्रीमती चन्द्रिका चन्द्राकर, श्रीमती सरिता मिश्रा, श्री विनोद अरोरा एवं विनोद सिन्हा सहित अन्य जनप्रतिनिधि और जिला पंचायत के सीईओ एवं अभियान के नोडल अधिकारी श्री बी.के. दुबे सहित समस्त विभागीय नोडल अधिकारी एवं सहायक नोडल अधिकारी सम्मिलित हुए। अभियान अंतर्गत विभिन्न 12 पहलुओं क्रमशः आशीर्वाद दीया, मेरे सपनों का भारत चित्र सेवा, नमो सेवा अनकही कहानियां, आनंद मिलन सेवा, सेवा की कहानी, सेवा संकल्प यात्रा, सेवा ज्योति कलश यात्रा, सेवा मेरा योगदान, जन-जन सेवा संकल्प, सेवा सेतु अभियान, सेवा के रंग राष्ट्र के संग एवं सुशासन सेवा संवाद के बेहतर आयोजन के संबंध में तिथियों आदि के संबंध में रायशुमारी की गई। जनप्रतिनिधियों ने आयोजन हेतु अपने सुझाव प्रस्तुत किये। साथ ही अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करने का भरोसा दिलाया।

35 महीने से वनडे क्रिकेट की 'बेताज बादशाह' टीम इंडिया, टी20 में भी हुकूमत कायम

नई दिल्ली। वनडे क्रिकेट में भारत का वर्चस्व लगातार कायम है। 50 ओवर के फॉर्मेट में पिछले 35 महीनों से दुनिया की बड़ी से बड़ी टीम भी भारत से नंबर एक का ताज नहीं छिन सकी है। सिर्फ वनडे ही नहीं, बल्कि क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट यानी टी20 में भी भारत का दबदबा लगातार बना हुआ है। वनडे क्रिकेट में भारतरीय टीम की बादशाहत सितंबर 2023 से कायम है। भारत ने पाकिस्तान से नंबर एक की कुर्सी छीनी थी और उसके बाद से किसी भी टीम को इस पोजीशन के आसपास तक नहीं भटकने दिया है। भारतीय टीम के अभी कुल 116 रेटिंग प्वाइंट्स हैं।

भारत के बाद फिलहाल आईसीसी की ताजा रैंकिंग में न्यूजीलैंड दूसरे नंबर पर है, जिसके कुल रेटिंग प्वाइंट 109 हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया 102 रेटिंग प्वाइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर काबिज है। 2023 से लेकर अब तक 50 ओवर के फॉर्मेट में भारतीय टीम का प्रदर्शन लाजवाब रहा है। 2023 में टीम इंडिया ने कुल 35 वनडे मैच खेले और इस दौरान 27 मुकाबलों में जीत हासिल की, जबकि महज 7 मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा। साल 2024 में भारतीय टीम ने सिर्फ 3 ही वनडे मुकाबले खेले। इस दौरान टीम को 2 मैचों में हार का सामना करना पड़ा, तो एक मुकाबला टाई रहा।

टीम इंडिया के लिए साल 2025 वनडे फॉर्मेट में बेमिसाल रहा। साल की शुरुआत में ही भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी के खिताब पर कब्जा जमाते हुए अपनी बादशाहत साबित की। 2025 में भारत ने कुल मिलाकर 14 वनडे मुकाबले खेले और टीम को 11 में जीत नसीब हुई। वहीं, सिर्फ 3 ही मैचों में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा। भारत का जीत प्रतिशत 78.57 का रहा। साल के आखिर में बीसीसीआई ने रोहित शर्मा के हाथों से वनडे टीम की कमान लेकर शुभमन गिल के हाथों में सौंपी। गिल की कप्तानी में भले ही टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया की धरती पर वनडे सीरीज में हार मिली, पर टीम का प्रदर्शन बेहद सराहनीय रहा।

साल 2026 में भारत ने अभी तक कुल 9 वनडे मैच खेले हैं और इस दौरान टीम को 5 में जीत, जबकि 4 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। इस दौरान भारत को इंग्लैंड की सरजमीं पर वनडे सीरीज गंवानी पड़ी। हालांकि, नए-नवेले कप्तान गिल की अगुवाई में भारत ने इस फॉर्मेट में हर बड़ी टीम को कड़ी टक्कर जरूर दी है।

टी20 में भी भारत का दबदबा लगातार कायम रहा है। भारतीय टीम फरवरी 2022 से क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में जुलाई 2026 तक नंबर वन रही। इसके बाद इंग्लैंड के हाथों पांच मैचों की टी20 सीरीज 0-4 से गंवाने के बाद टीम की 1600 दिनों से चली आ रही बादशाहत कुछ दिनों के लिए इंग्लिश टीम ने खत्म की। हालांकि, जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 में बड़ी जीत के साथ ही भारत ने एक बार फिर टी20 के किंग का ताज पहन लिया।

टी20 फॉर्मेट में नंबर वन रहते हुए भारत ने लगातार दो बार टी20 विश्व कप के खिताब को अपने नाम किया। 2024 में रोहित शर्मा ने अपनी कप्तानी में टीम को चैंपियन बनाया, तो 2026 में सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में टीम इंडिया वर्ल्ड चैंपियन बनी। भारत पहला ऐसा देश बना, जिसने सफलतापूर्वक अपने खिताब का बचाव किया और अपने ही घर में टी20 वर्ल्ड कप जीता।

महिला जूनियर एशिया कप हॉकी

भारत ने पाकिस्तान को 19-0 से रौंदा

सेमीफाइनल में मारी एंट्री

मोक्वी (चीन), एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने जूनियर एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ ऐसा तूफान खड़ा किया कि मुकाबला शुरू होने के कुछ ही मिनट बाद एकतरफा हो गया। गत चैंपियन भारत ने गुरुवार को क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान को 19-0 से करारी शिकस्त देकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। भारत की ओर से गोलों की बारिश पूरे मुकाबले में जारी रही और पाकिस्तान की टीम लगातार दबाव में नजर आई। भारत ने मैच के सातवें मिनट में पूजा साहू के गोल से खाता खोला। इसके दो मिनट बाद रोशनी ऐंद ने बढ़त दोगुनी कर दी। इसके बाद भारतीय टीम ने हमलों की रफ्तार और बढ़ा दी। 11वें मिनट में तनुश्री दिनेश कद्दू और 13वें मिनट में सुखवीर कौर ने गोल किया। इसी मिनट सानिका चंद्रकांत माने ने भी गोल दाग दिया।

ग्रुप चरण में भी अजेय रहा था भारत

भारतीय टीम ने क्वार्टर फाइनल से पहले ग्रुप चरण में भी शानदार प्रदर्शन किया था। टीम ने जापान, मलेशिया और दक्षिण कोरिया को हराकर अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया था। अब सेमीफाइनल में भारत का सामना दक्षिण कोरिया और मलेशिया के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगा। भारत की नजर अब लगातार तीसरी बार जूनियर महिला एशिया कप का खिताब जीतने पर है।

पहले हाफ में ही भारत की 10-0 की बढ़त

भारत का हमला यहीं नहीं रुका। मधु सिदार ने 16वें मिनट में गोल किया, जबकि गीता यादव ने 18वें मिनट में स्कोर किया। सानिका माने ने 23वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागा। इसके बाद तनुजा टोप्पो ने 25वें और पूजा मलिक ने 27वें मिनट में गोल कर दिया। पहले हाफ के आखिरी मिनटों में पूर्णिमा यादव ने 33वें मिनट में गोल किया। इस तरह मध्यांतर तक भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 10-0 की विशाल बढ़त हासिल कर ली थी।

दूसरे हाफ में भी नहीं थमा गोलों का सिलसिला

दूसरे हाफ में भी भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान को संभलने का कोई मौका नहीं दिया। मधु सिदार ने 39वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया और इसके एक मिनट बाद सुप्रिया ने अपना खाता खोला। पूजा मलिक ने इसके बाद लगातार दो गोल दागे। उन्होंने 49वें और 51वें मिनट में गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की। इसके बाद कृष्णा शर्मा ने 48वें मिनट में और बिनीमा धन ने 55वें मिनट में गोल किया। सुप्रिया ने 54वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया। मैच के आखिरी मिनट में रोशनी ऐंद ने अपना दूसरा गोल दागकर भारत के स्कोर को 19 तक पहुंचा दिया। भारत ने इस तरह पाकिस्तान के खिलाफ 19-0 की धमाकेदार जीत दर्ज की।

- भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान को संभलने का कोई मौका नहीं दिया

एशियन गेम्स 2026

प्रतिका हुई भारतीय टीम एंट्री, जेमिमा की ली जगह

नई दिल्ली। जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में टॉप-ऑर्डर की बल्लेबाज प्रतिका रावल को चोटिल जेमिमा रोड्रिग्स की जगह शामिल किया गया है। जेमिमा, जो भारत के मिडिल ऑर्डर की अहम खिलाड़ी हैं अभी भी हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रही हैं। उन्हें यह चोट पिछले महीने की शुरुआत में 'द हंड्रेड' टूर्नामेंट में 'सदर्न ब्रेव' के लिए खेलते हुए लगी थी। इस चोट के कारण जेमिमा दुबई में चल रहे महिला एशिया कप 2026 से भी बाहर हो गई थीं। जब एशिया कप टीम में जेमिमा की जगह प्रतिका को शामिल करने की घोषणा की गई थी, तब उसके बाद होने वाले एशियन गेम्स के लिए उनकी जगह लेने वाली खिलाड़ी के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई थी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने बुधवार को 'आईएएनएस' को बताया, 'प्रतिका एशियन गेम्स 2026 में जेमिमा रोड्रिग्स की जगह जापान जाएंगी। एशियन गेम्स के लिए सौंपी गई 15 सदस्यीय टीम में उनका नाम शामिल है।'

प्रतिका ने दुबई में चल रहे एशिया कप में अपना टी20 इंटरनेशल डेब्यू किया और भारतीय टीम मैनेजमेंट ने उन्हें नंबर तीन पोजीशन पर खेलने के लिए चुना। टूर्नामेंट के लीग स्टेज में प्रतिका ने 22, 10 और 4 रन बनाए हैं। एशिया कप के लिए भारतीय टी20 इंटरनेशनल टीम में उन्हें अचानक बुलाया गया जब वह इंग्लैंड में 'वन डे कप' में 'वार्विकशायर' के लिए खेलने की तैयारी कर रही थीं। हाल ही में टी20 इंटरनेशनल डेब्यू करने से पहले प्रतिका ने नवंबर 2024 के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी टी20 मैच नहीं खेला था, महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 में बांग्लादेश के खिलाफ मैच के दौरान उनके टखने में चोट लग गई थी। इस चोट की वजह तबसे उन्हें लंबे समय तक मैदान से बाहर रहना पड़ा और वह काफी समय तक क्रिकेट नहीं खेल सकीं।

वाशिंगटन सुंदर की अफगानिस्तान के खिलाफ हो सकती है वापसी

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच 13 सितंबर से टी20 सीरीज की शुरुआत होने जा रही है, जिससे पहले ऑफ-स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर और सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर नितिश कुमार रेड्डी को फिटनेस हासिल कर चुके हैं। ये दोनों खिलाड़ी गुरुवार को टीम के साथ जुड़ेंगे। एक सूत्र ने बुधवार को 'आईएएनएस' को बताया, 'सुंदर और रेड्डी कुछ समय पहले ही पूरी तरह फिट हो गए थे। दोनों ने बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपने फिटनेस टेस्ट और मैच सिमुलेशन पास कर लिए हैं।' उल्लेखनीय है कि वाशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण सुंदर श्रीलंका में दो मैचों की टेस्ट सीरीज में नहीं खेल सके थे। वहीं, रेड्डी ने आखिरी बार जून में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में खेला था, जिसके बाद उनके बाएं क्वाड्रिसेप्स की चोट बढ़ गई और वे आयरलैंड, इंग्लैंड और श्रीलंका के दौरे पर नहीं जा पाए थे। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में फील्डिंग के दौरान घुटने में लगी चोट के कारण जसप्रीत बुमराह खेल से बाहर हैं। ऐसे में उनके तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल होने के बारे में अभी कोई पक्की खबर नहीं है। सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर हर्षित राणा की भागीदारी पर भी संशय बना हुआ है, जो हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं। अगर इन दोनों में से कोई भी राष्ट्रीय टीम के साथ नहीं जुड़ पाता, तो तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को आखिरी समय में टीम में शामिल किया जा सकता है। अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के बाद भारतीय टीम एशियन गेम्स 2026 के लिए जापान रवाना होगी। टीम इंडिया 22 सितंबर को सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर मेजबान जापान के खिलाफ टी20 मैच खेलेगी, जिसके बाद 28 सितंबर को कोरोजी स्पोर्ट्स पार्क में एशियन गेम्स में अपने गोल्ड मेडल का बचाव करने का अभियान शुरू करेगी। इस बीच, ईशान किशन, वैभव सूर्यवंशी और तिलक वर्मा चेन्नई में जारी दलीप ट्रॉफी फाइनल की अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के बाद नई दिल्ली में भारतीय टीम के साथ जुड़ेंगे। 'आईएएनएस' को जानकारी मिली है कि इन तीनों का राष्ट्रीय राजधानी पहुंचना इस बात पर निर्भर करता है कि चेपॉक में होने वाले फाइनल का नतीजा कब 'ड्रॉ' घोषित किया जाता है।

वनडे रिकॉर्ड : डेब्यू मैच में हरमन ने जड़े 150 रन

हमवतन खिलाड़ी के 'वर्ल्ड रिकॉर्ड' की बराबरी

विंडहोक। साउथ अफ्रीका के 24 वर्षीय बल्लेबाज जॉर्डन हरमन वनडे डेब्यू मैच में सबसे बड़ी पारी खेलने के मामले में संयुक्त रूप से 'नंबर-1' बन गए हैं। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज ने बुधवार को नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड पर नामीबिया के खिलाफ 126 गेंदों में 3 छक्कों और 17 चौकों के साथ 150 रन जड़े। इसी के साथ हरमन ने हमवतन मैथ्यू ब्रीत्जके के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है, जिन्होंने 10 फरवरी 2025 को न्यूजीलैंड के विरुद्ध वनडे फॉर्मेट में डेब्यू करते हुए 148 गेंदों में 16 बाउंड्री के साथ 150 रन की पारी खेली थी। पुरुषों की इस लिस्ट में वेस्टइंडीज के डेसमंड हेन्स (148 बनाम ऑस्ट्रेलिया) तीसरे और अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज (127 बनाम आयरलैंड) चौथे स्थान पर हैं। भारत की तरफ से केएल राहुल डेब्यू वनडे मैच में शतक लगाने वाले इकलौते खिलाड़ी हैं। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने निर्धारित ओवरों में 6 विकेट खोकर 348 रन बनाए। साउथ अफ्रीका ने महज 27 के स्कोर पर कॉनर एस्टरहुइजेन (10) का विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद हरमन ने टोनी डी जोरजी के साथ दूसरे विकेट के लिए 166 गेंदों में 190 रन जोड़कर टीम को दोहरे शतक के पार पहुंचा दिया।

जोरजी 84 गेंदों में 8 बाउंड्री के साथ 72 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद हरमन ने देवाल्ड ब्रेविस (33) के साथ तीसरे विकेट के लिए 58 रन जुटाए। टीम को हरमन के रूप में 275 के स्कोर पर तीसरा झटका लगा, जिसके बाद 292 रन तक 5 विकेट गिर गए।

इसके बाद कॉर्बिन बॉश (नाबाद 39) ने जेसन स्मिथ (15) के साथ छठे विकेट के लिए 32 गेंदों में 41 रन जुटाकर टीम को तिहरे शतक के पार पहुंचाया। नामीबिया की तरफ से रूबेन ट्रम्पेलमैन ने सर्वाधिक 4 विकेट निकाले, जबकि जेजे स्मिट और गेरहार्ड इरास्मस को 1-1 विकेट हाथ लगा।

दोनों देशों के बीच वनडे सीरीज के तीन मुकाबले 9, 11 और 13 सितंबर को खेले जाएंगे। साउथ अफ्रीका सीरीज का पहला मैच जीतकर बढ़त हासिल करना चाहेगा।

जोस मोरिन्हो जल्द फार्म के करेंगे वापसी, मैनेजर ने जताया भरोसा

नई दिल्ली। रियल मैड्रिड के स्टार खिलाड़ी विनीसियस जूनियर को लेकर रियल मैड्रिड के मैनेजर जोस मोरिन्हो ने भरोसा जताया है। मोरिन्हो का कहना है कि विनीसियस जल्द ही अपनी पुरानी फॉर्म में लौटेंगे। चैंपियंस लीग में इंटर के खिलाफ रियल मैड्रिड की 2-1 की जीत के दौरान कुछ घरेलू दर्शकों ने विनीसियस के खिलाफ हूटिंग की थी। हालांकि, मोरिन्हो का मानना है कि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और जल्द ही अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से आलोचकों का जवाब देंगे। बुधवार को सैंटियागो बर्नबेउ में 87वें मिनट में विनीसियस को सब्स्टीट्यूट किया गया, जिससे कुछ समर्थक उनके प्रदर्शन से नाराज दिखे। ब्राजील का यह खिलाड़ी इंटर के मजबूत डिफेंस के सामने कुछ खास प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहा। हालांकि, मोरिन्हो ने विंगर की आलोचना करने से इनकार किया और इसके बजाय टीम के लिए उनकी मेहनत की तारीफ की। मैच के बाद मोरिन्हो ने पत्रकारों से कहा, 'वह अपनी बेस्ट फॉर्म में नहीं हैं, और उन्हें यह पता है, लेकिन वह उस विनीसियस जैसा बनने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं जो मैच का नतीजा तय करते हैं। अपनी बेस्ट फॉर्म में न होने के बावजूद वह पहले से कहीं अधिक मेहनत कर रहे हैं।' पुर्तगाली मैनेजर ने थकान को भी एक कारण बताया जिसकी वजह से विनीसियस मैच के आखिर में डिफेंस में अपना काम ठीक से नहीं कर पाए। उन्होंने कहा, 'जब वह पीछे आकर डिफेंस नहीं कर पाए, तो उसकी वजह थकान थी। मुझे इसकी बहुत कद्र है। मैं विनीसियस का बहुत सम्मान करता हूं। वह समय जरूर आएगा जब वह मैच का नतीजा तय करेंगे और हमें जीत दिलाएंगे।'

जूनियर विमेंस एशिया कप: चीन के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ के बाद भारत एलीट पूल में टॉप पर

क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान से भिड़ंत

मोकी (चीन)। जूनियर विमेंस एशिया कप 2026 के अपने आखिरी एलीट पूल मैच में भारत ने चीन के साथ गोलरहित ड्रॉ खेला। इस नतीजे के साथ भारत ने पूल स्टेज में बिना कोई मैच गंवाए 10 अंक (तीन जीत और एक ड्रॉ) हासिल किए और बेहतर गोल अंतर के कारण एलीट पूल में पहला स्थान सुनिश्चित किया। भारत अब अपना ध्यान नॉकआउट स्टेज पर लगाएगा, जहां 10 सितंबर को 'क्वार्टर-फाइनल 1' में उसका मुकाबला पाकिस्तान से होगा। पाकिस्तान चार मुकाबलों में सात प्वाइंट के साथ चैलेंजर पूल में तीसरे स्थान पर रहा। बुधवार को मोकी में खेले गए इस मुकाबले में चीन ने मैच की शुरुआत आक्रामक अंदाज में करते हुए लगातार भारत के हाफ में हमले किए और भारतीय डिफेंस पर दबाव बनाया। मेजबान टीम को शुरुआती दौर में ही पेनाल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन भारत ने शानदार बचाव करते हुए उन्हें बढ़त बनाने का मौका नहीं दिया।

पहले क्वार्टर में सात मिनट से भी कम समय शेष था, इस बीच चीन को पेनाल्टी स्ट्रोक मिला। हालांकि, भारतीय गोलकीपर निधि ने शानदार बचाव करते हुए स्कोर बराबर रखा।

इस बचाव से भारत के आत्मविश्वास बढ़ा और उसने हमले शुरू किए। हालांकि, चीन का डिफेंस मजबूत बना रहा और उन्होंने भारत के हमलों को अच्छे से रोका, जबकि मेजबान टीम ने भी काउंटर-अटैक के जरिए खतरा पैदा करने की कोशिश की, लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी और पहला क्वार्टर बिना किसी गोल के खत्म हुआ।

भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत आक्रामक इरादे के साथ करते हुए चीनी डिफेंस पर और ज्यादा दबाव बनाने की कोशिश की। इस बीच, चीन ने भी खतरनाक अंदाज बनाए रखा। क्वार्टर खत्म होने में सात मिनट से कुछ ज्यादा समय रहते चीन को पेनाल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन भारत ने एक बार फिर मजबूती से बचाव करते हुए मैच का खाता खुलने से रोक दिया।

हरमन ने खेली 150 रनों की पारी, बनाया रिकॉर्ड

विंडहोक। साउथ अफ्रीका के 24 वर्षीय बल्लेबाज जॉर्डन हरमन वनडे डेब्यू मैच में सबसे बड़ी पारी खेलने के मामले में संयुक्त रूप से 'नंबर-1' बन गए हैं। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज ने बुधवार को नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड पर नामीबिया के खिलाफ 126 गेंदों में 3 छक्कों और 17 चौकों के साथ 150 रन जड़े। इसी के साथ हरमन ने हमवतन मैथ्यू ब्रीत्जके के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है, जिन्होंने 10 फरवरी 2025 को न्यूजीलैंड के विरुद्ध वनडे फॉर्मेट में डेब्यू करते हुए 148 गेंदों में 16 बाउंड्री के साथ 150 रन की पारी खेली थी। पुरुषों की इस लिस्ट में वेस्टइंडीज के डेसमंड हेन्स (148 बनाम ऑस्ट्रेलिया) तीसरे और अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज (127 बनाम आयरलैंड) चौथे स्थान पर हैं। भारत की तरफ से केएल राहुल डेब्यू वनडे मैच में शतक लगाने वाले इकलौते खिलाड़ी हैं। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने निर्धारित ओवरों में 6 विकेट खोकर 348 रन बनाए। साउथ अफ्रीका ने महज 27 के स्कोर पर कॉनर एस्टरहुइजेन (10) का विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद हरमन ने टोनी डी जोरजी के साथ दूसरे विकेट के लिए 166 गेंदों में 190 रन जोड़कर टीम को दोहरे शतक के पार पहुंचा दिया। जोरजी 84 गेंदों में 8 बाउंड्री के साथ 72 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद हरमन ने देवाल्ड ब्रेविस (33) के साथ तीसरे विकेट के लिए 58 रन जुटाए। टीम को हरमन के रूप में 275 के स्कोर पर तीसरा झटका लगा, जिसके बाद 292 रन तक 5 विकेट गिर गए इसके बाद कॉर्बिन बॉश (नाबाद 39) ने जेसन स्मिथ (15) के साथ छठे विकेट के लिए 32 गेंदों में 41 रन जुटाकर टीम को तिहरे शतक के पार पहुंचाया। नामीबिया की तरफ से रूबेन ट्रम्पेलमैन ने सर्वाधिक 4 विकेट निकाले, जबकि जेजे स्मिट और गेरहार्ड इरास्मस को 1-1 विकेट हाथ लगा। दोनों देशों के बीच वनडे सीरीज के तीन मुकाबले 9, 11 और 13 सितंबर को खेले जाएंगे।

फिल्म जेन जी या किसी पीढ़ी को देखकर नहीं बनाई जाती

अभी हर इंडस्ट्री नई पीढ़ी को समझ रही है और उनके हिसाब से कॉन्टेंट बनाने की कोशिश कर रही है। इस बारे में गिप्पी की क्या राय है और युवाओं को जोड़ने के लिए वह अपने स्तर पर क्या प्लानिंग करते हैं? वह कहते हैं, 'देखिए मुझे तो लगता है कि जब भी कोई कॉन्टेंट बनाता है तो वो उसे अपनी काबिलियत के हिसाब से अच्छा ही बनाता है। अब धुरंधर जैसी फिल्म है, वह किसी ने यह सोचकर तो नहीं बनाई कि त्नद्गद्दु के लिए ही यह पिक्चर होगी। मुझे लगता है कि जो एक अच्छी फिल्म होती है, उसे सब देखते हैं। मेरे हिसाब से कोई भी फिल्म जो फ्लोर पर जाती है, उसकी कहानी शुरुआत में अच्छी ही होती है। वह बनते-बनते ही खराब हो जाती है। कई बार प्रोडक्शन की गलती हो जाती है, डायरेक्टर से गलती हो जाती है। हम तो वही कॉन्टेंट बनाते हैं, जिसके बारे में हमें लगता है कि यह इसको बनाना चाहिए।'

हिट हुई फिल्म का सीक्वल बनाना मुश्किल

सीक्वल बनाने के पीछे की चुनौतियों के बारे में वह कहते हैं, 'हर कहानी की अपनी दुनिया होती है। और जब लोगों को वह दुनिया पसंद आ गई, तो फिर बाद में उसी दुनिया में नई कहानी बनाना बहुत मुश्किल हो जाता है। लेकिन मुझे लगता है कि सीक्वल का एक प्लस पॉइंट यह होता है कि वो लोग जो पहले पार्ट के पहले दिन से ही आपके साथ जुड़े होते हैं, वे अगले पार्ट तक भी जुड़े रहते हैं। लेकिन सच तो यह है कि हर पिक्चर ने अपनी काबिलियत के हिसाब से चलना है। अगर हमने अच्छी पिक्चर बनाई होगी तो वो ज्यादा चलेगी।'

कोलकाता में शूटिंग करना यादगार था

अपनी फिल्म के बारे में वह कहते हैं, 'हमारी यह फिल्म साल 2013 में आई मूवी सिंह वि. कौर का सीक्वल है। तो जब किसी भी फिल्म का सीक्वल बनता है तो जाहिर है उसके पहले पार्ट को लोगों ने बहुत प्यार दिया होगा। मैं खुद भी बहुत समय से चाहता था कि इसको बनाया जाए, लेकिन अब आखिरकार यह आई है। तो उसी वाइब की पिक्चर है, जैसी पिछली वाली थी। गांव का माहौल था, कनाडा में कुछ शूट था, लेकिन इस बार कुछ नए एलिमेंट्स हैं। यह मेरी पहली फिल्म है, जिसकी शूटिंग कोलकाता में हुई है। हावड़ा ब्रिज और बाकी चीजें मैंने पहली बार देखी। तो यह मेरे साथ-साथ मेरी ऑडियंस के लिए भी एक नया फ्लेवर है।'

दो साल बाद वेब सीरीज 'शक' से वापसी करेंगी परिणीति चोपड़ा

बीते काफी समय से खबरें चल रही थीं कि परिणीती चोपड़ा जल्द किसी सीरीज में नजर आने वाली हैं। अब मेकर्स ने इससे पर्दे उठा दिया है। सोमवार को मेकर्स ने वेब सीरीज 'शक : ट्रस्ट नो वन' की घोषणा कर दी है। यह सीरीज को इसी सितंबर ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जाएगा।

'शक : ट्रस्ट नो वन' की कास्ट में कौन

सीरीज में परिणीति चोपड़ा मुख्य किरदार में नजर आएंगी। उनके अलावा इसमें आलिया भट्ट की मां सोनी राजदान, टीवी एक्ट्रेस जेनिफर विंगेट, ताहिर राज भसीन, सुमित व्यास और हरलीन सेठी जैसे कई कलाकार नजर आएंगे।

कौन हैं निर्माता-निर्देशक

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आने वाली वेब सीरीज 'शक : ट्रस्ट नो वन' का निर्देशन रेंसिल डी'सिल्वा ने किया है। रेंसिल इससे पहले 'उंगली', 'कुर्बान', 'डायल हंड्रेड' और 'बैड कॉप' जैसे प्रोजेक्ट्स से जुड़े रहे हैं। वहीं सीरीज का निर्माण सिद्धार्थ पी मल्होत्रा कर रहे हैं। इस समय वह मशहूर अदाकारा मीना कुमारी की बायोपिक को लेकर चर्चा में हैं। बता दें कि परिणीति अभिनीत इस सीरीज का नाम पहले 'तलाश : ए मदर्स सर्च' था। मगर बाद में इसे बदल दिया गया।

कब रिलीज होगी सीरीज

वेबसीरीज 'शक : ट्रस्ट नो वन' 24 सितंबर 2026 को रिलीज होने जा रही है। फिल्म की कहानी थ्रिलर होगी। खबरों के मुताबिक यह एक मां की अपने गुमशुदा बच्चे की तलाश पर आधारित होगी। वह अपने बच्चे को खोजने में अपनी जिंदगी के नौ साल बिताती है। मगर जैसे-जैसे सच्चाई के करीब पहुंचती है, अपने करीबी लोगों से उसका भरोसा उठता जाता है।

परिणीति का वर्कफ्रंट

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा आखिरी बार बड़े पर्दे पर फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' में दिखाई दी थीं। इसके बाद वह अपने निजी जीवन में व्यस्त हो गईं। मगर आने वाले समय में वह कई प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रहेंगी। वेब सीरीज 'शक : ट्रस्ट नो वन' के बाद उनके 'मालामाल वीकली 2' में नजर आने की खबरें भी मिल रही हैं।

जिंदगी से जुड़े विवादों की इतनी आदी हो चुकी हूं कि फर्क ही नहीं पड़ता

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री आम्रपाली दुबे 'बिग बॉस 20' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि रियलिटी शो उनके स्टारडम को बढ़ाने से ज्यादा उनके द्वारा निभाए गए किरदारों के पीछे छिपे असली इंसान को दिखाने का मौका देगा। दरअसल, अभिनेत्री ने शो के अंदर जाने से पहले आईएएनएस के साथ बातचीत की। इसमें उन्होंने कहा कि उन्होंने जीवन में एक ही बार विवादों का सामना किया है। अगर शो के कंटेस्टेंट इस पर कोई टिप्पणी करते हैं, तो उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि बिग बॉस मुझे अपने दर्शकों को अपना असली रूप दिखाने का मौका देगा, जो उन्होंने पहले कभी नहीं देखा। मैंने हमेशा कुछ ऐसे रोल और किरदार निभाए हैं, जो लिखे हुए होते थे। इस बार सब कुछ असली होगा और यही वजह है कि 'बिग बॉस' है।'

उन्होंने कहा, 'मैं अपने अनुभव से बोल रही हूं कि जब आप भोजपुरी एक्टर होते हैं, तो आप सिर्फ नेशनल लेवल पर ही नहीं, बल्कि ग्लोबल लेवल पर भी जाने जाते हैं। भोजपुरी एक ऐसी भाषा है, जो दुनियाभर के कई हिस्सों फिजी, मॉरीशस और भी कई जगहों पर बोली जाती है। अमेरिका, इंग्लैंड, लगभग हर उस जगह पर भोजपुरी बोलने और समझने वाले लोग रहते है।' आम्रपाली दुबे ने भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की तारीफ करते हुए कहा कि हमारी फिल्मों और गानों को हर जगह सुना और देखा जाता है। उन्होंने कहा, 'हमारी इंडस्ट्री की खासियत यह है कि हम जो भी फिल्में और गाने बनाते हैं, उन्हें हर जगह देखा और सुना जाता है। तो मैं बस उन फैन्स को अपना असली साइड दिखाना चाहती हूं।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि वोट और ये सब कुछ दूसरों पर निर्भर करता है। ये ऐसी चीज नहीं है जिसे मैं कंट्रोल कर सकती हूं।' 'इमोशनली स्थिर रहना ऐसी चीज है जो मेरे हाथ में है, मेरे कंट्रोल में है, और अगर मैं ऐसा नहीं कर पाती हूं और अगर मैं कमजोर पड़ जाती हूं, तो ये मेरे लिए ज्यादा परेशान करने वाली बात होगी।' विवादों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मेरी पूरी जिंदगी में सिर्फ एक ही विवाद हुआ है और अब मैं इसकी इतनी आदी हो चुकी हूं कि मुझे फर्क नहीं पड़ता कि लोग मेरे बारे में क्या बात करते हैं।'

'चुंबक' पर काम करते हुए एक कलाकार के तौर पर खुद को विकसित होते देखा

एक्ट्रेस हेली शाह, जो अपनी आने वाली स्ट्रीमिंग सीरीज 'चुंबक' की रिलीज की तैयारी कर रही हैं, ने कहा है कि इस शो पर काम करते हुए उन्होंने खुद को एक आर्टिस्ट के तौर पर बेहतर होते देखा है। यह शो उनके लिए पूरी तरह से कॉमेडी रोल वाला है। हालांकि उन्होंने पहले भी कॉमेडी में कुछ काम किया है लेकिन 'चुंबक' में उनके रोल ने उन्हें एक अलग तरह के काम में कदम रखने का मौका दिया। एक्ट्रेस ने मुंबई के बीकेसी इलाके में शो के प्रमोशन के दौरान अर्जुन बिजलानी, अनंत जोशी, डेलनाज ईरानी और अमायरा दस्तूर के साथ आईएएनएस से बात की। उन्होंने बताया कि उन्हें यह रोल कैसे मिला।

उन्होंने कहा, 'मेरे लिए यह किरदार बहुत अलग है। मैंने कॉमेडी में कुछ काम किया है लेकिन ट्विंकल जैसा किरदार, मुझे नहीं लगता कि मैंने पहले कभी निभाया है। इस रोल को निभाते हुए मुझे एहसास हुआ कि मैं कॉमेडी कर सकती हूं। कम से कम कोशिश तो कर ही सकती हूं। जैसा कि अनंत ने कहा, हमने जो कुछ भी किया, वह मेकर्स द्वारा बताई गई कहानी पर आधारित था। उन्होंने असल में हम सभी से सब कुछ निकलवाया। यह बहुत अच्छा अनुभव रहा क्योंकि मैंने अपने कॉमेडी वाले पहलू को जाना, जिसके बारे में मुझे पता ही नहीं था कि वह मुझमें है। यह भी कि मैं इसे करने की कोशिश कर सकती हूं। इस शो की शूटिंग के दौरान मैंने खुद को बेहतर होते देखा है।'

उन्होंने कहा, 'यह बहुत खास था क्योंकि मेकर्स ने मुझे फोन करके बताया कि यह शो बन रहा है। उस समय नवरात्रि चल रही थी और मैं गरबा खेलने की तैयारी कर रही थी।' इससे पहले, एक्ट्रेस ने टेलीविजन से ओटीटी में आने और इस रास्ते को तय करने के बारे में बात की थी। टेलीविजन से दूसरे माध्यमों में जाने वाले एक्टर्स के लिए, पहले से बनी धारणाओं से बाहर निकलना अक्सर सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक होता है।

संदीपा धर ने शुरू की असुर 3 की शूटिंग

वेब सीरीज 'असुर सीजन 3' की से जुड़ी एक खास जानकारी सामने आई है। हाल ही में एक्ट्रेस संदीपा धर ने फैंस के साथ इस खबर को फोटोज के जरिए शेयर किया। 'असुर' फ्रेंचाइजी के इस तीसरे सीजन का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। एक्ट्रेस संदीपा धर ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा कीं। इनमें वह वेबसीरीज में दिखीं। इनसे फैंस को 'असुर सीजन 3' के बारे में जानकारी मिली। संदीप धर की शेयर की गई तस्वीरों के साथ कैप्शन भी लिखा। उन्होंने लिखा, 'यह जबरदस्त होने वाला है, 'नई शुरुआत' और 'तूफान से पहले की शांति।' इससे यह अंदाता लगाया जा सकता है कि यह सीजन दमदार होने वाला है। हालांकि सीरीज में संदीपा कौन सी भूमिका निभाएंगी इस पर से अभी पर्दा नहीं उठाया गया है।

'असुर सीजन 3' की कास्ट

ओटीटी की पॉपुलर सीरीज 'असुर' के तीसरा भाग की शूटिंग शुरू हो चुकी है। सीरीज की कास्ट में अरशद वारसी और बरुण सोबती मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। वहीं सीरीज में श्वेता बसु प्रसाद और अहसास चन्ना भी अहम किरदारों में नजर आ सकती है। सीरीज का निर्देशन गौरव शुक्ला ने किया है। यह सीरीज पौराणिक कथाओं, मनोविज्ञान और क्राइम इन्वेस्टिगेशन के अनोखे मेल के लिए जानी जाती है।

हम औरतों की कहानियां 19-20 नहीं, इक्कीस होंगी, तभी चलेंगी

दमदार अभिनय और बेबाक व्यक्तित्व के लिए जानी जाने वाली अदाकारा तापसी पन्नू अब अपनी नई फिल्म 'गांधारी' में भी बेटी को तलाशती नेत्रहीन मां की मजबूत भूमिका में नजर आने वाली हैं। खास बात यह है कि करियर के शुरुआती दौर में बेबी और नाम शबाना जैसी फिल्मों में ऐक्शन के लिए तारीफें बटोरने वाली तापसी इसमें लंबे अरसे बाद ऐक्शन भी करती दिखेंगी। तापसी बताती हैं कि वह इस जॉनर से इसलिए दूर थीं, क्योंकि एक तो वह ऐक्शन करके शारीरिक-मानसिक रूप से थक गई थीं, दूसरे अलग तरह के इमोशंस भी एक्सप्लोर करना चाहती थीं।

एजेंट-कॉप के कई ऐक्शन रोल मना किए

बकौल तापसी, 'बेबी और नाम शबाना को जिस तरह का प्यार मिला, मेरे लिए वैसे ही रोल करना बहुत काफी लुभावना था, क्योंकि तब ज्यादा लोग ऐक्शन कर भी नहीं रहे थे। मुझे अंडर कवर एजेंट, कॉप, मिशन वाले ऐक्शन रोल ऑफर भी खूब हुए, लेकिन मुझे वो सब नहीं करना था, क्योंकि मैं बहुत थक गई थी। उन फिल्मों में सारा ऐक्शन मैंने खुद किया था। उसमें कोई इफेक्ट नहीं था, तो वो फिजिकली-मेंटली बहुत मेहनत का काम है। फिर, मैं वायलेंट इंसान भी नहीं हूं। मैं मारपीट देखकर घबरा जाती हूं। लोगों को ऐसा लगता नहीं है लेकिन ऐसा है। इसलिए भी मुझे उससे ब्रेक चाहिए था। साथ ही, मुझे बाकी इमोशंस को एक्सप्लोर करने वाले काफी अच्छे रोल भी मिल रहे थे, तो मैंने सोचा अब ऐक्शन तभी करूंगी, जब इससे ऊपर का कुछ होगा।'

हम हीरोइनों की जीत और हार साझा होती है

बॉलिवुड में बड़े बजट की फीमेल सेंट्रिक ऐक्शन फिल्म की मांग बहुत समय से उठ रही थी, लेकिन आलिया भट्ट की अल्फा के रूप में जब ऐसी फिल्म आई तो वह नहीं चली। नायिका प्रधान फिल्मों की लड़ाई पर इसके असर पर तापसी कहती हैं, 'इस मामले में एक की जीत हम सबकी जीत होती है, क्योंकि जब एक फीमेल सेंट्रिक फिल्म चलती है तो लोगों को साहस मिलता है कि हां, ऐसी पिक्चर चल सकती है। उसी तरह से जब एक नहीं चलती है, खासकर बड़े बजट की नहीं चलती तो नुकसान भी हम सबका होता है। इसलिए, बुरा लगता है कि यार, चलनी चाहिए थी। लोग बोलते हैं कि अच्छी फिल्में चलती हैं तो क्या हीरो सेंट्रिक सारी ऐक्शन फिल्में कमाल की ही होती हैं? वे क्या बहुत बढ़िया थीं, तभी चलीं? ऐसा जरूरी नहीं है। हीरो वाली काफी औसत बिग स्केल फिल्में भी चल जाती हैं, मगर दुर्भाग्य से हमें वह छूट नहीं होती। हम औरतों की कहानियां उन्नीस-बीस नहीं हो सकती। उसे इक्कीस होना पड़ेगा, तभी चलेगी। औरतों को हर चीज में खुद को साबित करने के लिए थोड़ा ज्यादा ही करना पड़ता है।'

कनिका और मैं एक-दूसरे को समझते हैं

गांधारी की लेखिका-निर्माता कनिका ढिल्लों संग तापसी मनमर्जियां, हसीन दिलरुबा, रश्मि रॉकेट, फिर आई हसीन दिलरुबा जैसी फिल्मों में भी साझेदारी कर चुकी हैं। इस बॉन्डिंग पर वह बताती हैं, 'कनिका ने मनमर्जियां की कहानी मुझे सीन के बीच में गाना तक सुनाकर पूरे डिटेल में नरेट की थी। जबकि, गांधारी में सिर्फ चार लाइन में स्टोरी बताई कि ये कहानी है। अगर तू कर रही है तो मैं आगे लिखती हूं, तो हमारी आपसी समझ और एक दूसरे पर इतना भरोसा बन गया है कि कनिका को पता है कि मैं क्या करना चाहूंगी और क्या नहीं करूंगी। वहीं, मुझे भी ये पता है कि अगर इसने मुझे दो लाइन भी सुना दी हैं ना, तो उसके बाद ये लिख लेगी। वहीं, निर्माता के तौर पर वह फिल्म को बेस्ट तरीके से बनाएगी। मुझे कोई लड़ाई नहीं लड़नी पड़ेगी। वो कनिका लड़ लेगी तो मैं काफी रिलैक्स होती हूं।'

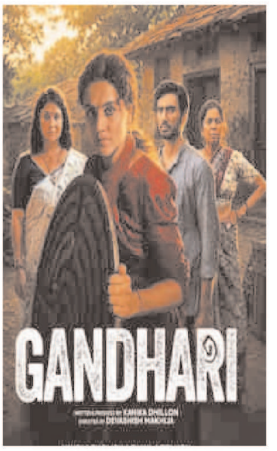

गुम मोबाइल की तलाश में दुर्ग पुलिस की बड़ी कार्रवाई अब तक 1200 से अधिक मोबाइल मिले

201 मोबाइल बरामद, 40 लाख की संपत्ति लौटाई जाएगी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

गुम हुए मोबाइल फोन की तलाश में दुर्ग पुलिस लगातार तकनीकी कार्रवाई कर रही है। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट ने उएक्क्रपोर्टल एवं तकनीकी संसाधनों की मदद से विभिन्न जिलों और राज्यों से 201 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इन मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 40 लाख रुपये है। सत्यापन के बाद मोबाइल उनके वास्तविक स्वामियों को विधिवत लौटाए जा रहे हैं।

पुलिस के अनुसार जिले के विभिन्न थानों में नागरिकों ने मोबाइल गुम होने की शिकायत दर्ज कराई थी। इन शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए उएक्क्रपोर्टल पर दर्ज क्टएकनंबरों और उपलब्ध तकनीकी जानकारी के आधार पर मोबाइलों की लगातार पतासाजी की गई। मोबाइल सक्रिय होने के बाद प्राप्त तकनीकी जानकारी का विश्लेषण कर पुलिस टीम ने संबंधित स्थानों पर फॉलोअप किया।

कई जिलों और राज्यों से बरामदगी

एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम ने दुर्ग, भिलाई, राजनांदगांव, बालोद, बेमेतरा और रायपुर सहित मध्यप्रदेश, आंध्र प्रदेश, बिहार तथा अन्य राज्यों के विभिन्न क्षेत्रों से 201 नग विभिन्न कंपनियों के मोबाइल फोन बरामद किए। मोबाइल के क्टएक एवं अन्य आवश्यक विवरणों का सत्यापन कर वास्तविक स्वामियों की पहचान की जा रही है।

2026 में छठवीं कार्रवाई

गुम मोबाइल बरामदगी एवं वितरण के लिए वर्ष 2026 में यह छठवीं कार्रवाई है। दुर्ग पुलिस के अनुसार उएक्क्रपोर्टल के माध्यम से वर्ष 2026 में अब तक 1200 से अधिक गुम मोबाइल फोन बरामद किए जा चुके हैं। पुलिस का कहना है कि अभियान का उद्देश्य केवल मोबाइल बरामद करना नहीं, बल्कि तकनीकी संसाधनों और लगातार फॉलोअप के जरिए नागरिकों की खोई हुई संपत्ति उन्हें वापस दिलाना है।

IMEI से ट्रेस किए गए मोबाइल

पुलिस टीम ने उएक्क्रपोर्टल पर दर्ज क्टएक नंबरों का तकनीकी विश्लेषण किया। मोबाइल फोन के सक्रिय होने पर प्राप्त जानकारी के आधार पर उनकी लोकेशन एवं उपयोग संबंधी जानकारी का सत्यापन करते हुए संबंधित स्थानों से मोबाइल बरामद किए गए।

पुलिस की अपील

दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि मोबाइल गुम होने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें और उएक्क्रपोर्टल पर क्टएक नंबर दर्ज कराएं। वहीं, किसी व्यक्ति को गुम हुआ मोबाइल मिलने पर उसे अपने पास रखने या उसका अनुचित उपयोग करने के बजाय पुलिस को सौंपना चाहिए। बरामद मोबाइल फोन के क्टएक नंबरों की सूची दुर्ग पुलिस के अधिकृत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी की जाएगी। सूची में अपना मोबाइल मिलने पर संबंधित स्वामी आवश्यक पहचान एवं दस्तावेजों के साथ एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट कार्यालय, सेक्टर-03, भिलाई में संपर्क कर सकते हैं। पुलिस ने कहा कि नागरिकों के सहयोग और तकनीकी संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल से गुम एवं चोरी हुए मोबाइल की बरामदगी के प्रयास लगातार जारी रहेंगे।चाहें तो मैं इसका नवभारत शैली में 2 कॉलम का और अधिक कसा हुआ संस्करण भी बना सकता हूं।

छत्तीसगढ़ स्टेट सिनियर फीडे रेटेड शतरंज चैम्पियनशिप

नरेंद्र बंछोर, जी सुरेश बाबे एवं कृष्णा साहू ने खिलाड़ियों का किया उत्साहवर्धन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ व खेल एवं युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ शासन एवं अग्रसेन जन कल्याण समिति एवं अग्रसेन महिला कल्याण समिति के सहयोग से जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा आयोजित छत्तीसगढ़ स्टेट सिनियर फीडे रेटेड शतरंज चैम्पियनशिप के दूसरे दिन तीसरे चक्र के शुभारंभ की घोषणा भिलाई ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र बंछोर , राष्ट्रीय पंजा कुश्ती के अध्यक्ष जी सुरेश बाबे, अंतर्राष्ट्रीय पावर लिफ्टर अवॉर्डी कृष्णा साहू द्वारा किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए भाग लेने वाले समस्त प्रतिभागियों एवं उनके अभिभावकों को शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए खिलाड़ियों की हौसलाफजई की।

जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत सचिव तुलसी सोनी ने बताया कि कुल 8 चक्रों में खेली जाने वाली इस स्पर्धा के तीसरे चक्र की समाप्ति के बाद परिणाम इस प्रकार है। प्रतियोगिता के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी एजीएम स्पर्श खंडेलवाल राजनांदगांव (रेटिंग 2013) ने बोर्ड 1 पर काले मोहरों से खेलते हुए राशि वारुडकर राजनांदगांव को हराकर अपनी लगातार तीसरी जीत दर्ज की। बोर्ड 2 पर दूसरी वरीयता प्राप्त याशद बांबेश्वर दुर्ग (1970) ने राव पी.एन. दुर्ग को मात दी। वहीं, तीसरे वरीय गगन साहू रायगढ़ (1957) को बोर्ड 3 पर सत्यम वर्मा राजनांदगांव के खिलाफ वॉकओवर से जीत मिली, जबकि चौथी वरीयता प्राप्त प्रभमन सिंह मल्होत्रा कोरबा (1822) ने बोर्ड 4 पर रथिंद्र ठाकुर दुर्ग को पराजित कर पूरे 3 अंक हासिल किए।

बोर्ड 5: शुभम सोनी राजनांदगांव (1572) को यश सिंह (1773) रायपुर ने काले मोहरों से हराया। बोर्ड 6: रजनीकांत बक्सी राजनांदगांव (1768) को सावी गौरी (1576) रायपुर से हार का सामना करना पड़ा। बोर्ड 7: साहिल सागर (1509) रायपुर को संस्कार कश्यप (1761) बिलासपुर के हाथों मात का सामना करना पड़ा। बोर्ड 8: अहिलान रॉय रायपुर (1730) ने परिधि लिल्हारे दुर्ग (1569) को सफेद मोहरों से हराया। बोर्ड 9: भौमिक सिंह चौहान रायपुर (1708) ने सागर बघेल दुर्ग (1513) को सफेद मोहरों से मात दी। बोर्ड 10: काशवी जैन दुर्ग (1502) को एआईएम शुभम सिंह रायगढ़ (1679) ने काले मोहरों से शिकस्त दी। राउंड का सबसे बड़ा उलटफेर बोर्ड 6 पर हुआ, जहां सावी गौरी (1576) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आठवीं वरीयता प्राप्त रजनीकांत बक्सी (1768) को काले मोहरों से शिकस्त दी। शीर्ष 10 बोर्ड्स के सभी विजेता 3 में से पूरे 3 अंक लेकर चौथे राउंड में प्रवेश कर चुके हैं, जिससे आने वाले राउंड्स में शीर्ष खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले तय माने जा रहे हैं। इस अवसर पर इंटरनेशनल आर्बिटर अलंकार भिवगड़े, सहायक निर्णायक इंटरनेशनल आर्बिटर रॉकी देवांगन फीडे आर्बिटर अनिल शर्मा एवं जिला शतरंज संघ दुर्ग के पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया।

साइकिलिस्ट और पवर्तारोही समीरा खान से IG अजय यादव ने की आत्मीय भेंट

नई दृष्टिबिंदु /खैरागढ़

राजनांदगांव रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अजय यादव ने खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के प्रवास के दौरान साइकिलिस्ट और पवर्तारोही सुश्री समीरा खान से भेंट कर संवाद किया।

मुलाकात के दौरान क्ळ यादव ने समीरा की साइकिल यात्रा, उनके अनुभवों और यात्रा के उद्देश्य के बारे में जानकारी ली। उन्होंने साइकिलिंग के माध्यम से फिटनेस, साहस, अनुशासन और सामाजिक जागरूकता का संदेश देने के प्रयास की सराहना की। IG ने कहा कि इस प्रकार के प्रयास युवाओं, विशेषकर बालिकाओं और महिलाओं को अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ता से आगे बढ़ने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने समीरा का उत्साहवर्धन करते हुए आगामी यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक खैरागढ़-छुईखदान-गंडई सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

भिलाई भाजपा 17 सितंबर को जलाएगी एक लाख दीप

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सार्वजनिक जीवन में सेवा एवं समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जिला भिलाई द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा। अभियान के शुभारंभ अवसर पर 17 सितंबर को शाम 7 बजे बैकुंठधाम में एक लाख दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। एक लाख दीपों के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 25 वर्षों के राष्ट्रसेवा, समर्पण एवं सेवा संकल्प को नमन किया जाएगा।

भाजपा जिला भिलाई द्वारा आयोजित संगठनात्मक बैठक में अभियान की विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम देवांगन जी ने की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का सार्वजनिक जीवन सेवा, समर्पण, संघर्ष और राष्ट्रहित के प्रति प्रतिबद्धता की प्रेरणादायी यात्रा है। उनके सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होना प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता के लिए गौरव और प्रेरणा का अवसर है।

उन्होंने कहा कि ह्लसेवा संकल्प अभियान को केवल कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि इसके माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचने और सेवा भावना को जनभागीदारी से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। एक लाख दीप प्रज्वलन का कार्यक्रम इसी सेवा और समर्पण की भावना का भव्य प्रतीक होगा।

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले अभियान के अंतर्गत आशीर्वाद का दिया, सेवा चित्र, सेवा समर्पण, आंगन का मिलनह्व, कहानी बदलाव, विकसित भारत संकल्प यात्राह्व, सेवा ज्योति यात्रा, सेवा मेरा योगदान, सेवा सेतु अभियान एवं रंगोली राष्ट्र सहित विभिन्न सेवा, जनसंपर्क, जनजागरण एवं रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के राष्ट्रसेवा के संकल्प, गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, युवा शक्ति, किसान हित तथा विकसित भारत के लक्ष्य को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। अभियान में भाजपा के मंडल एवं बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

बैठक में अभियान के विभिन्न कार्यक्रमों की जिम्मेदारियों, मंडलवार आयोजन, कार्यकर्ता सहभागिता एवं कार्यक्रमों के सुचारू संचालन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। भाजपा जिला भिलाई ने 17 सितंबर को बैकुंठधाम में एक लाख दीप प्रज्वलित कर सेवा, समर्पण और राष्ट्रनिर्माण के संकल्प

संगठन की सक्रियता और जनभागीदारी पर जोर : रिकेश सेन

वैशाली नगर विधायक श्री रिकेश सेन जी ने कहा कि एक माह तक चलने वाले इस व्यापक अभियान को सफल बनाने के लिए संगठन के प्रत्येक स्तर पर प्रभावी समन्वय आवश्यक है। मंडल से लेकर बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभानी होगी और प्रत्येक कार्यक्रम को अधिक से अधिक जनभागीदारी से जोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर को बैकुंठधाम में एक लाख दीपों का प्रज्वलन भिलाई के लिए एक ऐतिहासिक और भव्य आयोजन होगा। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सेवा एवं समर्पण के 25 वर्षों को नमन करने के साथ-साथ राष्ट्रसेवा के प्रति भाजपा कार्यकर्ताओं और नागरिकों के संकल्प को भी प्रदर्शित करेगा।
श्री सेन ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि सभी कार्यक्रमों की पूर्व तैयारी सुनिश्चित करते हुए मंडल एवं बूथ स्तर तक जिम्मेदारियां तय की जाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा का मजबूत संगठन और समर्पित कार्यकर्ता ही इस अभियान की सबसे बड़ी शक्ति हैं।

बड़े खाताधारकों का डेटा लेकर 10 फीसदी मुनाफे का झांसा

गोल्ड ईटीवी में निवेश के नाम पर ठगी का मामला, HDFC बैंक का रिलेशनशिप मैनेजर गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

बड़े रकम वाले बैंक खाताधारकों की जानकारी लेकर उन्हें गोल्ड ईटीवी में निवेश करने और हर महीने 10 प्रतिशत लाभ देने का झांसा देकर निवेश कराने के मामले में सुपेला पुलिस ने लउऋछ बैंक के रिलेशनशिप मैनेजर राजकुमार तिवारी (37) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार सेक्टर-7 भिलाई निवासी राजू नामदेव ने थाना सुपेला में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि आरोपी योगेश साहू और अन्य लोगों ने निवेश पर प्रतिमाह 10 प्रतिशत लाभांश देने का भरोसा दिलाया। निवेश योजना को विश्वसनीय बताने के लिए अन्य ग्राहकों के बैंक खातों के स्टेटमेंट भी दिखाए गए। आरोपियों की बातों में आकर प्रार्थी ने 21 मार्च 2025 को 15 लाख रुपये बताए गए बैंक खाते में ट्रांसफर किए थे।

शुरुआत में प्रार्थी को लाभांश की राशि दी गई, लेकिन बाद में भुगतान बंद कर दिया गया। रकम वापस करने का आश्वासन मिलता रहा। बाद में अन्य लोगों से भी इसी तरह बड़ी रकम लिए जाने की जानकारी सामने आई।

विवेचना के दौरान पुलिस ने निवेशकों के बयान, बैंक खातों और लेन-देन से जुड़े दस्तावेजों की जांच की। मोहम्मद रफी, साधना मिश्रा, शिबा शेख सहित अन्य निवेशकों के कथनों एवं दस्तावेजों के आधार पर राजकुमार तिवारी की भूमिका सामने आई। पुलिस के मुताबिक राजकुमार तिवारी लउऋछ बैंक में रिलेशनशिप मैनेजर के पद पर कार्यरत था। उसने अपने पद का लाभ उठाकर बड़े रकम वाले खाताधारकों की जानकारी हासिल की और उन्हें गोल्ड ईटीवी में निवेश कर अधिक लाभ कमाने का लालच दिया। निवेशकों से चेक प्राप्त कर राशि मुख्य आरोपी योगेश साहू के खाते में जमा करने तथा निवेशकों का भरोसा बनाए रखने के लिए शुरुआती दौर में अपने खाते से लाभांश देने के संबंध में भी साक्ष्य मिले हैं।

पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर गवाहों के समक्ष मेमोरण्डम कथन लिया। विवेचना में पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। मामले में अन्य आरोपियों और लेन-देन से संबंधित जांच जारी है। कार्रवाई में थाना सुपेला प्रभारी एसएन सिंह, उनि धनेश्वर साहू, आरक्षक कमल साहू एवं प्रदीप सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।
दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी निवेश योजना में पैसा लगाने से पहले संस्था, योजना और उसकी वैधता की स्वतंत्र रूप से जांच करें। असामान्य रूप से अधिक अथवा निश्चित लाभ का लालच देने वाली योजनाओं में बिना सत्यापन राशि जमा न करें। संदिग्ध निवेश प्रस्ताव, बैंक खाते या लेन-देन की जानकारी तत्काल पुलिस को दें।

ऑनलाइन दावा-आपत्ति 24 सितंबर तक आमंत्रित

दुर्ग। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), दुर्ग के अंतर्गत संविदा भर्ती प्रक्रिया के तहत विभिन्न 12 पदों के लिए अभ्यर्थियों की प्रारंभिक पात्र एवं अपात्र सूची जारी कर दी गई है। जारी सूची के संबंध में अभ्यर्थी आगामी 24 सितंबर 2026 तक ऑनलाइन माध्यम से दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 16 जुलाई 2026 के तहत कुल 18 विभिन्न संविदा पदों के लिए विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। इनमें से 12 पदों–साइकोलॉजिस्ट क्लीनिकल, प्रोग्राम एसोसिएट एनटीईपी, सोशल वर्कर, एसटीएस, लैब सुपरवाइजर, टीबीएचवी, डेंटल असिस्टेंट, एमपीडब्ल्यू-मेल, ऑप्थेलमिक असिस्टेंट, एएनएम, वार्ड असिस्टेंट व अटेंडेंट तथा सिक्योरिटी गार्ड के लिए प्रारंभिक पात्र-अपात्र सूची पोर्टल पर अपलोड कर दी गई है।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100